

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद
दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा
ट्रस्ट, तपोवन आश्रम



स्व. पं. पू. 1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 41 ता.06 अगस्त 2021, शुक्रवार कार्यालय: 114, न्यु प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com



/Suratbhumi.com



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi

देश के कई राज्यों में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट



नई दिल्ली, एजेंसिया।

भारी बारिश की तगड़ी मार झेल रहे मध्य प्रदेश को पांच दिनों तक कोई बड़ी राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग की ओर से

जागी ताजा अपडेट के मुताबिक कम दबाव का एक क्षेत्र उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों पर बरकरार है। यही नहीं मानसूनी ट्रफ रेखा गंगानगर, नारनौल, उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर निम्न दबाव के क्षेत्र के केंद्र से गुजरती हुई वाराणसी, गया, बांक्रा के साथ दक्षिण पूर्व की ओर बंगाल की उत्तरपूर्वी खाड़ी की ओर जा रही है। इसकी वजह से अगले पांच दिनों तक मध्य प्रदेश में व्यापक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया है कि बाढ़ की तगड़ी मार झेल रहे मध्य प्रदेश को अगले पांच दिनों तक मध्य प्रदेश में बारिश से निजात नहीं मिलने वाली है। यही नहीं अगले 24 घंटे के

दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि बाद में इसमें कमी आती जाएगी। यही नहीं पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। अगले 24 घंटे में ओडिशा और झारखंड जबकि 07 से 09 अगस्त के दौरान बिहार के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी में यह भी कहा गया है कि पूर्वोत्तर राज्यों में नौ अगस्त तक कहीं-कहीं मूसलाधार के साथ व्यापक बारिश होने की संभावना है। इसमें 10 अगस्त से और इजाफा होने की संभावना है। यही नहीं अगले पांच दिनों के दौरान उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इसी अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में अलग-अलग भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। नौ अगस्त तक राजस्थान,

पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में छिटपुट बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा है कि पांच और छह अगस्त तक की पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तरी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर जहां बारिश की संभावना है 10 तारीख तक हल्की बारिश जारी रह सकती है। अगले चार से पांच दिनों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत और इसके सटे पूर्वी मध्य भारत (ओडिशा को छोड़कर) महाराष्ट्र और गुजरात में कम बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। वहीं मौसम का पूर्वानुमान जारी करने वाली एजेंसी स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और झारखंड में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने हॉकी में कांस्य पदक जीतने पर पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 41 साल बाद तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह दिन हर भारतीय की स्मृतियों में हमेशा रहेगा। भारत ने कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले में जर्मनी को 5-4 से हराकर पदक अपने नाम किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, '41 साल बाद ओलंपिक में पदक जीतने वाली हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। इस टीम ने बेहतरीन कौशल और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। इस जीत से देश में हॉकी के एक नये युग का उदय होगा और युवाओं को हॉकी खेलने तथा उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीयों को यह दिन हमेशा याद रहेगा। उन्होंने ट्वीट किया, ' ऐतिहासिक। यह दिन हर भारतीय की स्मृतियों में हमेशा रहेगा। कांस्य पदक जीतने के लिये हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। इससे उन्होंने पूरे देश को, खासकर युवाओं को रोमांचित किया है। भारत को अपनी हॉकी टीम पर गर्व है। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ' भारत के लिये करोड़ों चीयर्स। आखिर भारतीय हॉकी टीम ने कर दिया। हमारी पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक की इतिहास पुस्तिका में अपना नाम अंकित करा लिया। एक बार फिर से। हमें आप पर गर्व है।' गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, ' बधाई टीम इंडिया। यह पल हर भारतीय के लिये गर्व और हर्ष का है। हमारी पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पूरे देश को गौरवान्वित किया है।



भारत ने कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले में जर्मनी को 5-4 से हराकर पदक अपने नाम किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, '41 साल बाद ओलंपिक में पदक जीतने वाली हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। इस टीम ने बेहतरीन कौशल और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। इस जीत से देश में हॉकी के एक नये युग का उदय होगा और युवाओं को हॉकी खेलने तथा उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीयों को यह दिन हमेशा याद रहेगा। उन्होंने ट्वीट किया, ' ऐतिहासिक। यह दिन हर भारतीय की स्मृतियों में हमेशा रहेगा। कांस्य पदक जीतने के लिये हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। इससे उन्होंने पूरे देश को, खासकर युवाओं को रोमांचित किया है। भारत को अपनी हॉकी टीम पर गर्व है। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ' भारत के लिये करोड़ों चीयर्स। आखिर भारतीय हॉकी टीम ने कर दिया। हमारी पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक की इतिहास पुस्तिका में अपना नाम अंकित करा लिया। एक बार फिर से। हमें आप पर गर्व है।' गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, ' बधाई टीम इंडिया। यह पल हर भारतीय के लिये गर्व और हर्ष का है। हमारी पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

पहला कॉलम

सिख विरोधी दंगों के हर मृतक को 3.5 लाख और घायलों को मिलेंगे 1.25 लाख रुपये

-बजट में दंगों के मुआवजे के भुगतान के लिये 4.5 करोड़ रुपये का प्रावधान-मुख्य अख्यक नकवी

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को बताया कि वर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट में 1984 के सिख विरोधी दंगों में मारे गए लोगों के परिजनों को बढ़े हुए मुआवजे के भुगतान के लिये 4.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लोकसभा में संतोष पाण्डेय के प्रश्न के उत्तर में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बताया कि केंद्र सरकार ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिये एक पुनर्वस पैकेज की घोषणा की थी। इस योजना में मृत्यु के प्रत्येक मामले के लिये 3.5 लाख रुपये और घायल होने के संबंध में 1.25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का भुगतान शामिल है। नकवी ने कहा कि इस योजना में राज्य सरकारों के लिये मारे गये लोगों की विधवाओं और वृद्ध माता-पिता को 2,500 रुपये प्रति माह की एक समान दर पर जीवनभर के लिये पेंशन देने का प्रावधान भी शामिल है। पेंशन भुगतान पर होने वाला खर्च राज्य सरकार को वहन करना है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों में प्रत्येक मृतक के लिये 5 लाख रुपये की बढ़ी हुई राहत राशि प्रदान करने के लिये वर्ष 2014 में एक योजना शुरू की गई। उन्होंने कहा, वर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट में 1984 के सिख विरोधी दंगों में मारे गए लोगों के परिजनों को बढ़े हुए मुआवजे के भुगतान के लिये 4.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

15 अगस्त से ई-वे बिल सृजित नहीं कर पाएंगे रिटर्न नहीं भरने वाले

-जीएसटीएन ने कहा- इस कदम से अगस्त में जीएसटी संग्रह बढ़ने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क ने कहा है कि जिन करदाताओं ने जून 2021 तक दो महीने या जून 2021 तिमाही तक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किये हैं, वे 15 अगस्त से ई-वे बिल सृजित नहीं कर पाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से अगस्त में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह बढ़ने में मदद मिलेगी, क्योंकि लंबित जीएसटी रिटर्न दाखिल होने की उम्मीद है। पिछले साल केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कोविड महामारी के दौरान अनुपालन राहत देते हुए रिटर्न दाखिल न करने वालों के लिए इलेक्ट्रॉनिक ई-वे बिल सृजित करने पर रोक को निलंबित कर दिया था। जीएसटीएन ने करदाताओं से कहा, सरकार ने अंतर्गत करदाताओं के लिए ईडब्ल्यूबी पोर्टल पर ईवे बिल सृजित करने पर रोक को 15 अगस्त से फिर बहाल करने का फैसला किया है। इस तरह 15 अगस्त 2021 के बाद सिस्टम दाखिल किए गए रिटर्न की जांच करेगा और जरूरी होने पर ईवे बिल सृजित करने पर रोक लगाएगा।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नौ अगस्त को बुलाई वर्चुअल डिबेट,

पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री करेगा ऐसी बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली, एजेंसिया।

भारत पहली अगस्त को एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना है। यूएनएससी की अध्यक्षता संभालने के बाद भारत ने स्पष्ट किया है कि वह इसका सकारात्मक इस्तेमाल करने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को भारत के कार्यकाल में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली बार भारत का कोई प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आयोजित होने वाली एक बैठक की अध्यक्षता करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस महीने हम एक सिग्नेचर इवेंट आयोजित करेंगे जो तीन अहम क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। ये तीनों क्षेत्र समुद्र की सुरक्षा, शांति अभियान और आतंक के खिलाफ मुहिम से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ अगस्त

को एक उच्चस्तरीय वर्चुअल ओपन डिबेट की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक का मुद्दा समुद्र की सुरक्षा को लेकर होगा। यह नहीं इसमें अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के मसले पर भी चर्चा की जाएगी। अरिंदम बागची ने यह भी बताया कि भारत अफगानिस्तान में विकसित हो रही सुरक्षा स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान के मसले पर शुक्रवार को चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस चर्चा में हम अफगानिस्तान मुद्दे पर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करेंगे। अफगानिस्तान के साथ हमारे घनिष्ठ संबंध हैं जो रणनीतिक साझेदारी समझौते द्वारा निर्देशित हैं। इस समझौते पर दोनों देशों ने 2011 में हस्ताक्षर किए थे। बागची ने कहा कि नौ अगस्त को आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास रचेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब

कोई भारतीय प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी बैठक की अध्यक्षता करेगा। भारत एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध भविष्य के लिए अफगानिस्तान की सरकार और लोगों की सहयोगिताओं को साकार करने का समर्थन कर रहा है। भारत महिलाओं और अल्पसंख्यकों समेत अफगान समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए अफगानिस्तान सरकार का समर्थन कर रहा है। अरिंदम बागची ने पाकिस्तान में हिंदू मंदिर पर हुए हमले को लेकर इमरान सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हमने पाक के पंजाब प्रांत में रहियार खान जिले के भोग शहर में एक गणेश मंदिर पर हिंसक भीड़ के हमले को सोशल मीडिया पर परेशान करने वाली खबरें देखी हैं। भीड़ ने मंदिर पर हमला किया, पवित्र मूर्तियों को अपवित्र किया



और परिसर में आग लगा दी। भीड़ ने हिंदू समुदाय के आसपास के घरों पर भी हमला किया। पाकिस्तान में पूजा स्थलों पर हमले, अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं बरेकोटो कर जारी हैं। पाकिस्तान की सरकार इन हमलों को रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

देश में एक समान शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रावधान

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने बताया कि देश में एक समान शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रावधान किया गया है, इसके तहत सभी हितधारकों से चर्चा करने के बाद राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एक नया और व्यापक राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम संबंधी फ्रेमवर्क (एनसीईएफएई) तैयार करेगी। राज्यसभा में गुरुवार को सवाल के लिखित जवाब में

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी जानकारी दी। प्रधान ने कहा कि एनसीईएफएई के लिए एक व्यापक रणनीतिक दस्तावेज तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और अन्य विशेषज्ञ निकायों सहित सभी हितधारकों से चर्चा करने के बाद एनसीईआरटी द्वारा एक नया और व्यापक एनसीईएफएई के तैयार किए जाने का राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रावधान है। एनसीईएफएई के लिए एक व्यापक कार्यनीति दस्तावेज तैयार किया गया है।'

प्रधान ने कहा कि राज्य पहले जिला स्तरीय परामर्श प्रक्रिया, मोबाइल एप सर्वेक्षण और एनईपी के अनुसार विद्वित विषयों में फोकस ग्रुप द्वारा स्थिति पत्र तैयार करने आदि के माध्यम से मसौदा पाठ्यक्रम संबंधी फ्रेमवर्क तैयार करेंगे। इसमें संबंधित राज्यों के सांस्कृतिक और भौगोलिक सरोकारों को ध्यान में रखा जाएगा। यह पृष्ठे जाने पर कि क्या देश की शिक्षा प्रणाली को कुशल बनाने के लिए सरकार भारतीय शिक्षा सेवा आरंभ कर रही है, प्रधान ने कहा, 'ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।'

शिलान्यास के प्रथम वर्ष को गांठ अयोध्या में उल्लास के साथ मिलाईयां बांटेकर उत्सव मनाया गया

अयोध्या।

500 वर्षों के मंदिर निर्माण का इंतजार अब समाप्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस लेखक चारों तरफ खुशी का माहौल है। गुरुवार के दिन राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए शिलान्यास के प्रथम वर्ष को गांठ को अयोध्या में उल्लास के साथ मिलाईयां बांटे कर उत्सव मना रहे हैं। 5 अगस्त 2020 में राम मंदिर की नींव रखने के एक वर्ष पूरे हुए हैं, इस लेखक तपस्वी छवनी के महंत परमहंस दास ने सुबह संतो के साथ भगवान श्री राम की आरती उतारी और मिठाईयां बांटेकर खुशियां मनाई। इस दौरान जय श्री राम के जमकर नारे लगाए। वहीं कई राज्यों से अयोध्या पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ता भी हनुमान गढ़ी सहित अन्य मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। महंत परमहंस दास ने बताया कि आज 5 अगस्त सांस्कृतिक आजादी के रूप में मना रहे हैं। क्योंकि 500 वर्षों के



लंबे संघर्ष के बाद हमारी कितनी पीढ़ियां चल गईं। लाखों रामपकों ने अपने प्राणों को अर्पित कर दिए। उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय से राम मंदिर के पक्ष में जो फैसला आया और देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा भूमि पूजन हुआ।

हंगामे के बीच रास में तीन विधेयक संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनि मत से पारित

-गुरुवार को भी होता रहा विपक्ष का हंगामा, चार बार के स्थगन के बाद रास स्थगित

नई दिल्ली।

पेगासस जासूसी विवाद तथा तीन कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक गुरुवार को चार बार के स्थगन के बाद अपराह्न चार बज कर दस मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच सदन में तीन विधेयकों को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनि मत से पारित किया गया। पूर्वाह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने तृणमूल की एक सदस्य के एक दिन पहले के आचरण को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उसकी निंदा की। उपसभापति ने कहा कि अशोभनीय व्यवहार के कारण तृणमूल कांग्रेस के छह सदस्यों को एक दिन के

लिए सदन से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कल जब सदन की बैठक दिन भर के लिए स्थगित हो गयी तो निलंबित सदस्यों में से एक ने सदन में प्रवेश करने की कोशिश की। इस क्रम में एक द्वार का शीशा टूट गया और एक महिला सुरक्षा अधिकारी को चोट भी आयी। उस अधिकारी ने इसकी शिकायत दर्ज करायी है और सभापति एम वैकेया नायडू इस पर विचार कर रहे हैं। इस घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सुखेंद्र शेखर राय ने कहा कि लगाए गए आरोप सही नहीं हैं क्योंकि उनकी पार्टी ने सदन के सदस्यों को दिन भर के लिए सदन से निलंबित किया गया था और बैठक जब स्थगित की गई तब सदस्य सदन में घुट गए अपने बैग को लेने के लिए अंदर आना चाह रही थीं। इसी प्रक्रिया में द्वार में लगा शीशा टूटा। उन्होंने कहा

जबरदस्ती अंदर आने की कोशिश करने का आरोप सही नहीं है। दरवाजा बंद कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि सदस्य को अंदर आने से रोकने के लिए दरवाजा बंद नहीं किया गया था बल्कि नियमित प्रक्रिया के तहत, सैनिकों के लिए दरवाजा बंद किया जा रहा था। गोयल ने कहा कि नियमित चर्चा में किसी को बाधा नहीं डालनी चाहिए और इस तरह के आचरण से कर्मचारियों को नुक़ान नहीं होना चाहिए। विपक्ष ने नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिवंगत पूर्व नेता प्रतिपक्ष अरुण जेटली के उस बयान की ओर सदन को ध्यान दिलवाया कि बाधा डालना लोकतंत्र का एक अंग होता है। उन्होंने कहा कि कल की घटना नयी नहीं है। उन्होंने कहा हम अपनी बात रखने के लिए जो कुछ भी करते हैं वह

लोकतांत्रिक तरीके से करते हैं। खड़गे की इस बात पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। सदन में व्यवस्था बनते न देख हरिवंश ने 11 बज कर 15 मिनट पर बैठक को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। उच्च सदन की बैठक 15 मिनट बाद पुनः शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य फिर आसन के समक्ष आ कर हंगामा करने लगे। पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कालिता ने हंगामा थमते न देख बैठक को दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। बारह बजे बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा। विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा कि जब सदन की कार्यवाही स्थगित की गयी, उस समय वह अपनी बात रख रहे थे लेकिन उनकी बात पूरी भी नहीं हुयी थी। इस पर उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सदन में हंगामा आप देख रहे हैं और इसी वजह

से कार्यवाही स्थगित की गयी थी। खड़गे ने कहा कि हंगामा में विधेयक पारित हो सकता है लेकिन उनकी बात पूरी नहीं हो सकती। राज्यसभा में भाजपा के उपा नेता मन्मथ प्रसाद ने कहा कि सदन में प्रदर्शन पर किसी को आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि आपत्ति हिंसा, तोड़फोड़ और हाथपाई को लेकर है। इसके बाद उपसभापति ने हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया। इस दौरान मंत्रियों ने कुछ पूरक सवालों के जवाब भी दिए। उपसभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से प्रश्नकाल चलाने देने की अपील की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 12 बजकर करीब 20 मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। दोपहर दो बजे जब उच्च सदन की बैठक पुनः आरंभ हुई तब विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही तीन

विधेयकों को ध्वनिमत से पहले संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक 2021 को सदन में ध्वनिमत से पारित किया गया। फिर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं संलग्न क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये आयोग विधेयक, 2021 तथा फिर अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक 2021 को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। ये दोनों विधेयक लोकसभा में पारित हो चुके हैं। जब अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक पर चर्चा शुरू हुई तब हंगामे के बीच इसमें अपनी बात रख रहे सदस्यों ने कहा कि यह विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। कई सदस्यों ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजे जाने की मांग भी की। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जिस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग विपक्ष 14

दिन से कर रहा है, उस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है और इस विधेयक पर चर्चा कराई जा रही है जो आज की कार्यवाही में शामिल नहीं था। इसे प्रवर समिति में भेजा जाना चाहिए। खड़गे के इतना कहते ही सदन में हंगामा तेज हो गया और पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कालिता ने सदन की कार्यवाही तीन बजकर करीब 10 मिनट पर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। तीन बज कर 40 मिनट पर बैठक पुनः शुरू हुई तब अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक 2021 को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इस विधेयक के पारित होने के बाद उपसभापति हरिवंश ने चार बज कर करीब दस मिनट पर बैठक पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले उच्च सदन की बैठक हंगामे के कारण ही दो बार स्थगित की गई थी।



-मामले में आरोपी चारों प्रोड्यूसर गहना वशिष्ठ, अजय श्रीमंत, प्रिंस कश्यप और अभिजीत हैं फरार

चार में से 2 प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी पोर्न फिल्मों के लिये लड़कियों को फुसलाने की जिम्मेदारी

-पोर्नोग्राफी मामले में दूसरा केस दर्ज कराने वाली अभिनेत्री के साथ भी इन प्रोड्यूसरों ने यही तरीका अपनाया मुंबई।

पोर्न फिल्म बनाने के आरोपों में गिरफ्तार बिजनेसमैन राज कुंद्रा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इस बार उन्हें कंपनी में काम करने वाले चार फरार प्रोड्यूसरों के कारण पूछताछ से गुजरना पड़ सकता है। मुंबई न्यायालय ने इन चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, इनका काम लड़कियों को बड़े बैनर में काम का लालच देकर झांसे में लेना और फिर जबरन पोर्न वीडियो में काम करवाना था। इस मामले में आरोपी चारों प्रोड्यूसर गहना वशिष्ठ, अजय श्रीमंत, प्रिंस कश्यप और अभिजीत फरार हैं, जिनकी तलाश में न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी।

एफआईआर की जांच में यह सामने आया है। न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, इनका काम लड़कियों को बड़े बैनर में काम का लालच देकर झांसे में लेना और फिर जबरन पोर्न वीडियो में काम करवाना था। इस मामले में आरोपी चारों प्रोड्यूसर गहना वशिष्ठ, अजय श्रीमंत, प्रिंस कश्यप और अभिजीत फरार हैं, जिनकी तलाश में न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी।

इन सभी आरोपियों के मोबाइल बंद हैं। साथ ही वे अपने पते से भी गायब हैं। इसमें से अभिनेत्री वशिष्ठ ने गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई के दिव्येशी सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दायित्व की हुई है, जिस पर 6 अगस्त को सुनवाई होगी है। दूसरी एफआईआर में राज कुंद्रा का नाम भले ही न हो, लेकिन उनकी कंपनी हॉटशॉट्स का नाम है। यही वजह है कि इस मामले में न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, इनका काम लड़कियों को बड़े बैनर में काम का लालच देकर झांसे में लेना और फिर जबरन पोर्न वीडियो में काम करवाना था। इस मामले में आरोपी चारों प्रोड्यूसर गहना वशिष्ठ, अजय श्रीमंत, प्रिंस कश्यप और अभिजीत फरार हैं, जिनकी तलाश में न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी।

बॉलीवुड में बड़े बैनर की फिल्मों में काम दिलाने की बात कहते थे। यह बात सुनकर जब वह काम करने को तैयार हो जाती थी तो शूटिंग के दौरान अचानक उन्हें न्यूड सीन्स करने को कहा जाता था, जब वह मना कर देती थीं तो फिर उन्हें या तो मजबूर या फिर डरा-धमका कर एडल्ट वीडियो में काम कराया जाता था। न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, इनका काम लड़कियों को बड़े बैनर में काम का लालच देकर झांसे में लेना और फिर जबरन पोर्न वीडियो में काम करवाना था। इस मामले में आरोपी चारों प्रोड्यूसर गहना वशिष्ठ, अजय श्रीमंत, प्रिंस कश्यप और अभिजीत फरार हैं, जिनकी तलाश में न्यायालय ने चारों प्रोड्यूसरों को सौंपी गई थी।

किया। सूत्रों के मुताबिक, अभिनेत्री ने बयान दिया है कि दोनों ने उसे चार शॉर्ट वीडियो में काम करने के बदले 1 लाख रुपये देने की बात कही। इन वीडियो की शूटिंग मड आइलैंड और लोनावाला के बंगले में होनी तय हुई। उन्होंने कहा कि अगर मैंने उनके साथ काम किया तो वह बड़े बजट की फिल्मों में काम दिलाएंगे। लेकिन जो कॉन्ट्रैक्ट मुझे दिया गया, उसमें मुझे सिर्फ 10 हजार पैमेंट की बात लिखी थी। शूटिंग शुरू होने पर बताया गया कि टैक्स बचाने और कुछ अन्य वजहों से कॉन्ट्रैक्ट में पैसों को कम दिखाया गया है, जिस पर उसने भरोसा कर लिया।



मंत्रिमंडल ने पीएम-वाणी के माध्यम से ब्रॉडबैंड प्रसार के प्रस्ताव को दी मंजूरी

-संचार राज्य मंत्री देवु सिंह चौहान ने लिखित जवाब में राज्यसभा को दी यह जानकारी

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क प्रदान करने के लिए एक प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। संचार राज्य मंत्री देवु सिंह चौहान ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने पिछले साल दिसंबर में पीएम-वाणी के माध्यम से ब्रॉडबैंड प्रसार के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पीएम-वाणी बंधा के अनुसार, अंतिम छोर तक ब्रॉडबैंड संपर्क सार्वजनिक वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट्स के माध्यम से प्रदान की जाएगी। पीएम-वाणी के माध्यम से सार्वजनिक वाई-फाई अखिल भारतीय फ्रेमवर्क है एवं यह ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए है। उन्होंने बताया कि गुजरात में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों को मिलाकर स्थापित किए गए वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट्स की कुल संख्या 1981 है।

अब कार कंपनियां, ऑटोमोबाइल एसोसिएशन व एनजीओ भी जारी कर सकेंगे ड्राइविंग लाइसेंस

-सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने इस बारे में नोटिस जारी किया, आरटीओ जारी करते रहेंगे ड्राइविंग लाइसेंस

केंद्र सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाने को लेकर ऐलान किया है कि अब कार कंपनियां, ऑटोमोबाइल एसोसिएशन और एनजीओ को भी ड्राइविंग लाइसेंस दे दिए जा सकते हैं। ड्राइविंग लाइसेंस और उससे जुड़े कई सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार समय-समय पर जरूरी दिशा निर्देश जारी करती रहती है। खासकर हाल के दिनों में यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली-एनसीआर और झारखंड जैसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में लॉन्ग लाइसेंस और गाड़ियों के पंजीयन के लिए नए नियमों को लागू किया है। वहीं, कुछ राज्यों में अब सिर्फ ऑनलाइन ही आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। कोरोना काल के बाद

से देश की तकरीबन सभी राज्यों की परिवहन विभाग ने लॉन्ग लाइसेंस के लिए फीस जमा करने की व्यवस्था में बदलाव कर दिया है। अब नई व्यवस्था के तहत स्लॉट बुक होते ही लॉन्ग लाइसेंस के लिए फीस जमा करना पड़ रहा है। फीस जमा करते ही जांच परीक्षा के लिए तारीख भी अपनी सुविधा के मुताबिक मिल रहा है। लाइसेंस संबंधित सेवाओं के लिए परिवहन विभाग के वेबसाइट पर जाकर ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं पर क्लिक करना होगा। आपको फॉर्म भरते समय अपने ड्राइविंग लाइसेंस के साथ और भी परमिट जानकारियां देनी होंगी। इसके ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित और भी जरूरी कागजात को वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। आरटीओ ऑफिस में बायोमेट्रिक इंटेलिजेंस की जांच के बाद आपके सभी कागजात को सत्यापित किया जाएगा।

से देश की तकरीबन सभी राज्यों की परिवहन विभाग ने लॉन्ग लाइसेंस के लिए फीस जमा करने की व्यवस्था में बदलाव कर दिया है। अब नई व्यवस्था के तहत स्लॉट बुक होते ही लॉन्ग लाइसेंस के लिए फीस जमा करना पड़ रहा है। फीस जमा करते ही जांच परीक्षा के लिए तारीख भी अपनी सुविधा के मुताबिक मिल रहा है। लाइसेंस संबंधित सेवाओं के लिए परिवहन विभाग के वेबसाइट पर जाकर ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं पर क्लिक करना होगा। आपको फॉर्म भरते समय अपने ड्राइविंग लाइसेंस के साथ और भी परमिट जानकारियां देनी होंगी। इसके ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित और भी जरूरी कागजात को वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। आरटीओ ऑफिस में बायोमेट्रिक इंटेलिजेंस की जांच के बाद आपके सभी कागजात को सत्यापित किया जाएगा।

मोदी सरकार ने बताया कि देश भर में 645 बच्चों ने कोरोना के कारण अपने माता-पिता को खो दिया। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने गुरुवार को सवाल के लिखित जवाब में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2021 से 28 मई 2021 तक कुल 645 बच्चों ने कोविड महामारी में अपने माता-पिता को खो दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस तरह के बच्चों की सहायता के लिए 'पीएम केयर्स' बाल योजना की घोषणा की है, जिन्होंने कोविड-19 के कारण अपने दोनों माता-पिता या कानूनी अभिभावक खो दिए हैं। इस योजना में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए सहायता का प्रावधान है और यह प्रत्येक बच्चे के लिए दस लाख रुपये के कोष का निर्माण करेगी जब उनकी आयु 18 साल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इतना ही बच्चों की संख्या आंध्र प्रदेश में 119 व गुजरात में 45 है जबकि मध्य प्रदेश में 73, महाराष्ट्र में 83 और उत्तर प्रदेश में 158 है।



देश की खाद्यान्न सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तीनों कृषि कानूनों को निरस्त होना जरूरी: प्रियंका गांधी वाड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने कहा कि अगर देश की खाद्यान्न सुरक्षा को बनाए रखना है, तब तीनों नए केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करना होगा। उन्होंने ट्वीट किया, किसान फसल उगाता है। महामारी में भी अन्न कम नहीं होने देता। लेकिन धन्यवाद मोदी जी को? मोदी जी काले कृषि कानून लाए हैं, जिससे देश की खाद्यान्न शक्ति को ही खतरा है। कांग्रेस की यूपी प्रभारी ने ट्वीट किया, यदि देश की खाद्यान्न सुरक्षा बनाए रखना है, तब इन कृषि कानूनों को रद्द करके किसानों का सम्मान लौटाना होगा। प्रियंका गांधी ने सरकार पर निशाना उस वक्त साधा है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक वृहद अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर वाराणसी, कुशीनगर, झांसी सुल्तानपुर और सहारनपुर के निवासी कुछ लाभार्थियों से बातचीत की।

जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ने के मामले को लेकर आजम खान के समर्थन में उतरे दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली। कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकजुटता को धार देने की कोशिश शुरू हो चुकी है। आने वाले उत्तरप्रदेश चुनाव में भले ही कांग्रेस अपने दम पर उतरने का ऐलान कर दिया है, लेकिन उस अभी समाजवादी पार्टी के साथ संभावनाएं दिखती हैं। इस बीच कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और जेल में बंद आजम खान के

समर्थन में उतर आए हैं। आजम के जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ने के मामले को लेकर दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा के चल विध्वंस में विश्वास करती है, निर्माण में नहीं। जौहर विश्वविद्यालय शिक्षण संस्थान है, उसमें तोड़ फोड़ की क्या आवश्यकता है? केवल इस कारण कि उस खड़ा करने में आजम जी ने अपना पूरा राजनीतिक जीवन झोंक दिया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि योगी जी उच्च कोटि की नई

विश्वविद्यालय खड़ी करिए, जौहर विश्वविद्यालय को और कैसे उच्च कोटि की शिक्षण संस्थान बना सकते उस पर विचार करिए उस नष्ट करने की पहल ना करें। दिग्विजय सिंह का यह बयान उस समय में आया है, जब रामपुर सेशन कोर्ट ने 2019 में एसडीएम सदर के जौहर यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ने के आदेश को सही ठहराकर आजम खान की अपील को खारिज कर दिया था। बात दें कि जौहर यूनिवर्सिटी के लिए किसान

ऊंची ब्याज दरों के कारण छात्र शैक्षणिक कर्ज नहीं ले पा रहे

औरंगाबाद। मराठवाड़ा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के पाण्डे सतीश चह्णान ने दावा किया कि ऊंची ब्याज दरों के कारण छात्र शैक्षणिक कर्ज नहीं ले पा रहे हैं, उन्होंने केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत कराड के सामने यह मुद्दा उठाया। चह्णान ने कहा कि उन्होंने डॉ. कराड से मुलाकात कर अनुरोध किया कि शैक्षणिक कर्ज पर ब्याज दरें कम की जाएं। उन्होंने डॉ. कराड को दिए ज्ञापन में कहा, मौजूदा ब्याज दर नौ से 13 प्रतिशत के बीच है जो अधिक है जिससे आम जनता के लिए शैक्षणिक कर्ज लेना मुश्किल हो रहा है। कोविड-19 का ग्रामीण इलाकों, खासतौर से किसान समुदाय पर आर्थिक रूप से खराब असर पड़ा है। वे इस लेकर चिंतित हैं कि वे कैसे कर्ज चुकाएं। पाण्डे ने रेल राज्यमंत्री रावसाहेब दानवे से भी मुलाकात कर मराठवाड़ा में रेल परियोजनाओं में तेजी लाने का अनुरोध किया।

जब अपने ही राज्य में प्रवेश कर रहे हैं तो महाराष्ट्र के लोगों से रिपोर्ट क्यों मांगी जा रही है?

-महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा पर शिवसेना ने आरटीपीसीआर नैगेटिव के फैसले के खिलाफ रोका रास्ता मुंबई।



है। उनके पास कोई विकल्प नहीं है क्योंकि यही एकमात्र रास्ता है। जब वे अपने ही राज्य में प्रवेश कर रहे हैं तो महाराष्ट्र के लोगों से रिपोर्ट क्यों मांगी जा रही है? पवार ने कहा कि कर्नाटक के अधिकारियों ने कहा कि वे अपनी नीति में बदलाव करेंगे। आरटीपीसीआर की जाहग आधर

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मुक्त राशन बैग वितरण किया गया



संवाददाता जनार्दन गौड़ जौनपुर। बक्शा ब्लाक के बेलापार गांव में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत राशन वितरण किया गया कोरोना की दूसरी लहर में सरकार द्वारा मई से लेकर नवम्बर 2021 तक गरीबों को महोने में दो बार प्रति यूनिट 5 किलो राशन सरकार द्वारा मुक्त दिया जा रहा है जिससे गरीबों को

किसी प्रकार से खाने में दिक्कत न हो इसी के तहत आज गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मुक्त राशन किट बैग में दिया गया जिसमें ग्राम प्रधान / जिला पंचायत सदस्य महेंद्र कुमार यादव व भारतीय जनता पार्टी के नोपेड़वा मंडल के सेक्टर संयोजक जनार्दन गौड़ द्वारा राशन कार्ड लाभार्थियों को मुफ्त राशन बैग वितरित किया गया जिसमें गांव के काफी लोग उपस्थित रहे।

महिंद्रा ग्रुप द्वारा प्रदान पांच ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस को सीएम ने किया रवाना

शिमला। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज ओक ओवर से कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत महिंद्रा ग्रुप द्वारा प्रदान की गई पांच ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस को हरी झण्डा दिखाकर रवाना किया। इसके लिए जय राम ठाकुर ने महिंद्रा ग्रुप का आभार भी जताया। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार प्रवेशवासीयों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये एंबुलेंस मरीजों को राहत प्रदान करने के प्रदेश सरकार के प्रयासों में सहायक रहने वाली हैं।

ये एंबुलेंस आईजीएमसी शिमला, किन्नोर, कड़ाघाट, जंजैहली और नुरपुर अस्पताल को प्रदान की जाएगी। उन्होंने जिला कांगड़ा के देहरा में 500 एलपीएम पीएमए, आक्सीजन संयंत्र स्थापित करने के लिए भी महिंद्रा ग्रुप का आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी, प्रेजिडेंट महिंद्रा ग्रुप के कार्यकारी सहायक यशवर्धन वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बताया कि सरकार ने कोविड की संभावित तीसरी लहर के दृष्टिगत बच्चों की सुरक्षा और बच्चों के कोविड मामलों के लिए

व्यवस्था करने को प्राथमिकता दे रही है। जिलों और मेडिकल कॉलेजों को पहले ही प्रोटोकॉल भेजा जा चुका है। सुनिश्चित किया जा रहा है, कि एसएनसीयू, पीडियाट्रिक एंबुलेंस, एनआईसीयू, पीआईसीयू को प्राथमिकता के आधार पर कार्यशील किया जाए। सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और जिला अस्पतालों, नागरिक अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सर्वांगीण कोविड अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं

में वृद्धि करें या उपलब्ध सुविधाओं में विस्तारों को चिह्नित कर बाल चिकित्सा बार्ड और नवजात इकाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इन विस्तारों को केंद्रीय ऑक्सीजन आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में प्रदेश में 16 स्वास्थ्य संस्थानों में 224 एसएनसीयू बिस्तर उपलब्ध हैं। सभी स्तरों पर नवजात और बाल रोगियों के लिए एक उपयुक्त आपातकालीन जांच क्षेत्र और उपचार सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उपचार से

तैनात की जाने वाली नर्सों आदि के लिए भी अस्पताल प्रभारी द्वारा योजना तैयार की जाएगी। विभाग ने एसएनसीयू में सभी अक्रियाशील उपकरणों को जल्द से जल्द क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए हैं।

बाढ़ की विभीषिका देख बोले शिवराज, 70 वर्षों में नहीं देखी ऐसी विनाशालीला - ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के गांव जलमग्न हुए भोपाल। मूसलाधार बारिश से मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। भारी बारिश के कारण हुए हदसों में गुरुवार को दो लोगों को मौत हुई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। राज्य में कई जगहों पर मारतों और पुल ध्वस्त हो गए हैं। सीएम शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि उन्होंने बीते 70 सालों में प्रदेश में ऐसी तबाही नहीं देखी है। राज्य सरकार का कहना है कि बारिश के चलते हुई घटनाओं में अब तक दो लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की मौत शिवपुरी और एक की श्योपुर जिले में हुई है। इसके अलावा गुना में 4 और दो शिवपुरी और 1 व्यक्ति मुरैना जिले में घायल हुआ है। कहा जा रहा है कि मौतों और घायलों का आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है। इसकी वजह यह है कि उन्हीं मौतों को सरकार ने आंकड़ों में शामिल किया है, जिनकी पुष्टि जिला प्रशासन से की गई है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारी बारिश के चलते दतिया में रतनगढ़ मंदिर के पास एक पुल टूट गया। इसके अलावा संकुआ में भी एक पुल टूट गया और इसके चलते बड़ी संख्या में लोग बाढ़ में फंस गए थे। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि सीएम ने ग्वालियर और चंबल संभाग के कमिश्नरों और आईजी से बात की है। सीएम ने बताया कि लोगों को बचाने के लिए शिवपुरी और भिंड जिले में एयर ऑपरेशन भी चलाया गया है। शिवराज सिंह चौहान के हवाले से एक अधिकारी ने कहा, राज्य ने बीते 70 सालों में ऐसी तबाही नहीं देखी है, जो अब ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बाढ़ के चलते देखने को मिल रही है। रतनगढ़ माता मंदिर और संकुआ में पुल टूट गए हैं और इन इलाकों में लोग फंस गए थे। बुधवार की रात को प्रशासन ने शिवपुरी जिले के काली पहाड़ी इलाके से 57 लोगों को बचाया।

सार समाचार

पाकिस्तान में विपक्षी दलों की मांग, सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए लोगों को अपील करने का दिया जाए अधिकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विपक्षी दलों के सांसदों ने सरकार से आग्रह किया कि देश की सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए सभी नागरिकों को उसी प्रकार अपील करने का अधिकार दिया जाए जैसे एक प्रस्तावित कानून के जरिये भारतीय बंदी कुलभूषण जाधव को दिया गया है। जून में नेशनल असेंबली में एक कानून पारित किया गया था जिसके जरिये जाधव को अपील का अधिकार दिया गया था। यह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले को लागू करने के लिए लाया गया था। विपक्षी दलों के सांसदों ने सरकार से कहा है कि देश की सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए सभी नागरिकों को इसी तरह अपील करने का अधिकार दिया जाए।

बाइडेन के इमरान खान को फोन नहीं करने पर चिढ़ा पाकिस्तान, कहा- विकल्प मौजूद हैं

इस्लामाबाद। 20 जनवरी, 2021 को अमेरिकी राष्ट्रपति के पर काबिज होने के बाद से जो बाइडेनने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व के कई नेताओं को फोन किया है। हालांकि, उन्होंने अभी तक पाकिस्तान के पीएम से संपर्क नहीं किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अभी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को बाइडेन के फोन के इंतजार में हैं। इमरान ने जनवरी में पद संभालने के बाद डेमोक्रेट नेता को बधाई दी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोहंजद युसूफ ने एक साक्षात्कार में पाकिस्तान का ये दर्द साफ झलकाया है। युसूफ ने फोनेटिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने इतने महत्वपूर्ण देश के प्रधानमंत्री से बात नहीं की है, जबकि अफगानिस्तान के लिहाज से हमारा देश महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमें हर बार कहा जाता है कि फोन कॉल आएगा। ये कोई तकनीकी समस्या है या कुछ और। सब कहें तो अब लोगों को विश्वास नहीं है।

50 तालिबान आतंकवादियों ने अफगानिस्तान में आत्मसमर्पण किया : अधिकारी

काबुल। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अफगानिस्तान में बरेकजेट हिंसा के बीच, कम से कम 50 तालिबान आतंकवादियों ने देश के उत्तरी प्रांत जजजान में आत्मसमर्पण कर दिया। मंत्रालय के उप प्रवक्ता फवाद अमम ने ट्विटर पर लिखा, 50 तालिबान ने अपने हथियारों और गोला-बारूद के साथ अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले उपवादियों की तरवीरें और फुटेज के साथ विवरण जल्द ही मीडिया के साथ साझा किया जाएगा। तालिबान आतंकवादी समूह ने अब तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रांत हाल के दिनों में भारी संघर्ष और लड़ाई का दृश्य रहा है क्योंकि आतंकवादियों ने शहर पर कब्जा करने के प्रयास में प्रांतीय राजधानी शिबरखन को घेर लिया था।

अमेरिका ने अफगान रक्षा मंत्री पर हमले की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान रक्षा मंत्री बिलिस्मह मोहम्मदी पर लक्षित हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की है, जिसका दावा बाद में तालिबान ने किया था। बुधवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, हालांकि मंत्री मौजूद नहीं थे, रिपोर्टें से संकेत मिलता है कि हमले में आठ लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। तालिबान ने इस शर्मनाक कृत्य की जिम्मेदारी ली है। तालिबान को इस जारी हिंसा को रोकना चाहिए। उन्हें इससे रोकना चाहिए। प्राइस ने दोहराया कि दशकों से चली आ रही हिंसा के इस चक्र को खत्म करने का समय आ गया है। प्रवक्ता ने कहा, यह हिंसा का एक चक्र है जो बहुत लंबे समय तक चला है, और हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रेरित करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, हम कर रहे हैं, हम इसे खत्म करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, हम सामूहिक रूप से कर रहे हैं। मंगलवार शाम को, आतंकवादियों के एक समूह ने रक्षा मंत्री के घर के बगल में एक कार बम विस्फोट किया, जिसमें पांच घंटे की मुठभेड़ हुई और चार हमलावरों और आठ नागरिकों सहित 12 लोगों की मौत हो गई। कुछ घंटे बाद तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली। अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति बिगड़ती जा रही है, क्योंकि तालिबान आतंकवादी और सरकारी बलों के खिलाफ भारी लड़ाई जारी है और वे 1 मई को अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से जमीन हथियार कर रहे हैं। सोमवार को संसद में अपनी टिप्पणी में, अफगान राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ गनी ने बिगड़ती स्थिति के लिए अमेरिकी सैनिकों की वापसी को जिम्मेदार ठहराया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सेना को इस महिने के अंत तक अफगानिस्तान में अपने मिशन को समाप्त करने का आदेश दिया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि 95 प्रतिशत से अधिक निकासी पूरी हो चुकी है।

रॉकेट हमले के बाद लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष विराम का आग्रह

बेरुत। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (युनिफिल) ने बेरुत और इस्राइल के बीच संघर्ष विराम का आग्रह किया है और रॉकेट दगो जाने के बाद आगे बढ़ने से बचने के लिए अधिकतम संयम बरतने को कहा है। युनिफिल के रणनीतिक उप प्रमुख कैडिस अडील संवार और सार्वजनिक सूचना, बुधवार को एक बयान में कहा, युनिफिल हमारे संपर्क और समन्वय के माध्यम से पार्टियों के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। हम लेबनानी सशस्त्र बलों के साथ काम कर रहे हैं ताकि जमीन पर तत्काल अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके और बल लाइन के साथ सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। समाचार एजेंसी ने अडील के हवाले से कहा, स्थिरता तुरंत बहाल करना अनिवार्य है ताकि युनिफिल अपनी जांच शुरू कर सके। बुधवार को दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इस्राइल पर तीन रॉकेट दगो जाने से चार इस्राइली घायल हो गए थे।

भारत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सुरक्षा परिषद की बैठक में होगी अफगानिस्तान पर चर्चा

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत की अध्यक्षता में शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में अफगानिस्तान में बदतर होती सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की जाएगी। अफगानिस्तान पर खुली यूएनएससी चर्चा आयोजित करने का निर्णय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमार के बात करने के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपातकालीन सत्र बुलाने पर चर्चा की थी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और अगस्त माह के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने बुधवार रात ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद भारत की अध्यक्षता में शुक्रवार, छह अगस्त को अफगानिस्तान में स्थिति पर चर्चा करने और उसका जायजा लेने के लिए बैठक करेगा।' अतमार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तालिबान की हिंसा एवं अत्याचार के कारण अफगानिस्तान में सामने आ रही त्रासदी रोकने में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। अतमार ने ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मौजूद



अध्यक्ष की अग्रणी भूमिका की सराहना करता हूं। अमेरिका और नाटो सैनिकों का युद्धग्रस्त देश से वापस जाने की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही तालिबान और अफगानिस्तान के सरकारी बलों के बीच लड़ाई पिछले कुछ महीनों में तेज हो गई है। इस महिने के लिए सोमवार को अपनाए गए परिषद की कार्य सूची के अनुसार

अफगानिस्तान पर बैठक इस दौरान निर्धारित नहीं थी। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संवाददाताओं को विवरण उपलब्ध कराते हुए तिरुमूर्ति ने अफगानिस्तान में स्थिति पर और युद्धग्रस्त देश में तनाव और बढ़ने से रोकने के लिए सुरक्षा परिषद क्या कर सकता है इसपर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अफगानिस्तान पर

'संभवतः सुरक्षा परिषद इस पहलू पर जल्द से जल्द गौर करेगी।' यह महत्वपूर्ण है कि परिषद को भारत की अध्यक्षता के पहले हफ्ते के भीतर अफगानिस्तान पर खुली चर्चा हो रही है जो अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति पर फौरन चर्चा की जरूरत को दर्शाती है।

तिरुमूर्ति ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिति सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों के लिए गहरी चिंता का विषय है और 'हमने हाल के दिनों में देखा है कि हिंसा केवल बढ़ रही है।' उन्होंने कहा कि जहां तक भारत की बात है उसने साफ तौर पर बता दिया है कि, 'हम स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और स्थिर अफगानिस्तान देखना चाहते हैं, भारत ने हर उस अवसर का समर्थन किया है जो अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा और स्थिरता ला सकता है।' तिरुमूर्ति ने कहा, 'हम आश्वस्त हैं कि ... हमें हिंसा और लक्षित हमलों के सवालों का हल करना चाहिए और ये बहुत गंभीर चिंताएं हैं और सभी प्रकार की हिंसा समाप्त होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के साथ संबंध भी तोड़े जाने चाहिए। हम अफगानिस्तान में एक बार फिर आतंकवादी ठिकानों को बस्ते हुए नहीं देखना चाहते। और इसका भारत पर सीधा असर होगा।

इमरान खान ने अब्दुल कयूम नियाजी को पीओके का नया प्रधानमंत्री मनोनीत किया



इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने तमाम सलाह-मशविरों के बाद बुधवार को अपनी पार्टी के विधायक अब्दुल कयूम नियाजी को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री मनोनीत किया। नियाजी ने हाल ही में अब्बासपुर-पुंछ इलाके से चुनाव जीता है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी को 53 सदस्यीय सदन में 32 सीटें मिली हैं। खान की पार्टी पीओके में पहली बार सरकार बना रही है। भारत ने पीओके में हाल में हुए चुनावों को खारिज करते हुए कहा कि 'दिखावे का यह चुनाव' और कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा 'अपना अवैध कब्जा छुपाने' का प्रयास है और वह (भारत) इस पर कड़ा विरोध दर्ज करता है।

पीओके के चुनाव पर कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि 'भारत की सीमा में पाकिस्तान का कोई अधिकार नहीं बनता है' और उसे अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन छोड़ देनी चाहिए। बागची ने पिछले सप्ताह कहा, 'पाकिस्तान के अवैध कब्जे में मौजूद भारतीय सीमा में तथा कथित चुनाव और कुछ नहीं बल्कि अवैध कब्जे और इलाकों में उसके द्वारा किए गए बदलावों को छुपाने का पाकिस्तान का तरीका है।' उन्होंने कहा, 'एसी कबायद कभी भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे, मानवाधिकार के गंभीर उल्लंघन और कब्जे वाले इलाके के लोगों को आजादी नहीं देने को, छुपा नहीं सकेगी।'

पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने विस्तृत सलाह मशविरों के बाद नियाजी को पीओके में पीटीआई सरकार का प्रमुख चुना है। उन्होंने लिखा है, 'लंबी चर्चा और सभी सलाह-मशविरों पर गौर करने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री तथा पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने नवनिर्वाचित विधायक अब्दुल कयूम नियाजी को पीओके के प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया है।

पाकिस्तान में उपद्रवियों की भीड़ ने हिंदू मंदिर पर किया हमला, मूर्तियां तोड़ीं

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदुओं के एक मंदिर पर हमला किया, उसके कुछ हिस्सों में आग लगा दी और मूर्तियों को खंडित किया। पुलिस जब इस भीड़ को रोकने में विफल रही तो हालात को काबू में करने के लिए पाकिस्तान रेंजर्स के जवानों को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि रहीम यार खान जिले के भोग शहर में भीड़ ने बुधवार को हिंदू मंदिर पर हमला किया। यह स्थान लाहौर से करीब 590 किलोमीटर दूर है और बताया गया कि कथित तौर पर एक मदरसे की बेअदबी की घटना के बाद कुछ लोगों के उक्रसाने पर भीड़ ने इस वाक्य को अंजाम दिया। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले हफ्ते आठ वर्षीय हिंदू बालक ने इलाके के मदरसे के पुस्तकालय में कथित तौर पर पेशाब कर दिया था, जिसके बाद भोग में तनाव व्याप्त हो गया।

इस इलाके में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग दशकों से शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद डॉ. रमेश कुमार वांकवानी ने बुधवार को, मंदिर पर हमले के वीडियो ट्विटर पर साझा किए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अनुरोध किया कि वे 'आगजनी और तोड़फोड़' को रोकने के लिए जल्द से जल्द घटनास्थल पर पहुंचें। उन्होंने इस घटना को लेकर अनेक ट्वीट किए। इनमें उन्होंने कहा, 'रहीम यार खान जिले के भोग शहर में एक हिंदू मंदिर पर हमला। कल हालात बहुत तनावपूर्ण थे। स्थानीय पुलिस की शर्मनाक लापरवाही। प्रधान न्यायाधीश से



कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं।' रहीम यार खान के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) असद सरफराज के मुताबिक कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हालात काबू में कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया है। उन्होंने कहा, 'रेंजर्स को बुलाया गया और हिंदू मंदिर के इर्द-गिर्द तैनात किया गया।' डीपीओ ने बताया कि इलाके में करीब 100 हिंदू परिवार रहते हैं और किसी भी अग्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। इस घटना के संबंध में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता कानून-व्यवस्था को बहाल करना और अल्पसंख्यक समुदाय को सुरक्षा प्रदान करना है।' एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंदिर को बहुत ही बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किया गया है।

उन्होंने कहा, 'हमलावरों के पास डंडे, पत्थर और ईंटें थीं। धार्मिक नरसे लगाती भीड़ ने मूर्तियों को तोड़ा।' मंदिर के एक हिस्से को जला दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुस्तकालय को कथित तौर पर अपवित्र करने वाले आठ वर्षीय बालक के खिलाफ ईशान्दिता का मामला दर्ज कर पिछले हफ्ते उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। वह नाबालिग है इसलिए उसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर भोग के लोगों को इस घटना का बदला लेने के लिए उकसाया गया, जिसके बाद मंदिर के बाहर भीड़ जमा होनी शुरू हो गई और बाद में उसने उस पर हमला कर दिया। सरफराज ने कहा, 'हम मंदिर पर हमला करने के लिए लोगों को उकसाने वाले उपद्रवियों को गिरफ्तार करेंगे।

भारतीय महिला ने पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाया, न्याय की आस में दर-दर भटक रही

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

मार्च में अमेरिका आई एक नवविवाहित भारतीय महिला ने पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है और न्याय पाने की आस में कई हफ्तों से दर-दर भटक रही है। बिहार के पटना की रहने वाली महिला ने भारत सरकार, यहां भारतीय दूतवास और सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्यिक दूतावास के विरुद्ध अधिकारियों को भेजी गई एक शिकायत में कहा, 'मेरे पति ने बिना किसी वित्तीय सहायता के मुझे अकेला छोड़ दिया है। मेरा यहां कोई आसरा नहीं है। भारत में मेरे माता-पिता ने मेरे ससुर से मदद मांगी है लेकिन वह मेरे पति के पास वापस मुझे भेजने के लिए दहेज मांग रहे हैं।' अनामिका (परिवर्तित नाम) ने न्याय मांगने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय से भी संपर्क किया जिसने उसके पति को एफ-1 छात्र वीजा जारी किया था। उसने फेडी मैक का भी रुख किया है जहां



उसका पति अस्थायी रूप से कार्यरत है लेकिन उसे अब तक इस संबंध में कोई राहत नहीं मिली है। उत्पीड़न एवं प्रताड़ना रहत स्तर पर पहुंच गई थी कि 15 जन को वह वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर में मैकलेन स्थित उनके अपार्टमेंट में पुलिस को बुलाना पड़ा था। उसने अपनी शिकायत में लिखा, 'पुलिस ने मुझे कैब में बितया।' स्थानीय फेयरफेक्स काउंटी पुलिस ने उसके पति के खिलाफ शिकायत दर्ज की और वह इसे आपराधिक शिकायत के तौर पर देख रहे हैं। उसने पीटीआई-को बताया, 'पुलिस ने उसकी क्रूरता से मुझे बचाया क्योंकि मेरी जिंदगी खतरे में थी।' अनामिका ने उसकी

शिकायत में कहा, 'मैं अपने पति के साथ एक मार्च, 2021 को अमेरिका पहुंची थी और उसके साथ वर्जीनिया के मैकलेन में रह रही थी। अमेरिका पहुंच कर, मेरे पति ने मेरे साथ घरेलू हिंसा करनी शुरू कर दी थी और मेरे माता-पिता से दहेज मांगने लगे। वहीं, पति ने आरोपों से इनकार किया है और पीटीआई-को बताया कि उसे फसाया जा रहा है।

अनामिका का आरोप है कि उसका पति उसपर आरोप लगाता था कि वह गर्भवती होने से बचने के लिए कुछ न कुछ करती है और इसको लेकर वह उसके साथ दुर्व्यवहार करता था। 'साउथ एशिया माइग्रेटरीज अलायंस फाउंडेशन' ने कहा कि वह अमेरिका में कार्य वीजा पर काम कर भारतीय या दक्षिण एशियाई पेशेवरों से विवाहित 'लक्षकों' के उत्पीड़न के मामलों को विदेश मंत्रालय समेत अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाने की योजना बना रहा है।

मेघन मार्कल के जन्मदिन पर प्रिंस हैरी ने किया विशेष केक ऑर्डर, जानिए कीमत



तोरों (एजेंसी)।

4 अगस्त को मेघन मार्कल के 40वें जन्मदिन पर उनके पति प्रिंस हैरी ने कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में पॉसीज एंड शुगर नाम की एक बेकरी से एक विशेष केक ऑर्डर किया। विदेशी मीडिया की रिपोर्टें हैं कि मेघन का जन्मदिन उनके सांता बारबरा के 11 मिलियन पाउंड की हवेली में मनाया जाएगा। पॉसीज न्यूड केक के लिए नेकेड केक के लिए जाना जाता है, जिसमें केक की परतें आइसिंग के नीचे दिखाई देती हैं और इसे ताजे फूलों से भी

सजाया जाता है। बेकरी में वनीला बीन, मामाज चॉकलेट, स्ट्रबेरी ब्लिस, कोकोनट ड्रीम और लेमन जूंप जैसे विभिन्न प्रकार के केक बनाए जाते हैं। क्लासिक व्हाइट बटरक्रॉम से लेकर मेपल क्रॉम चीज, पीनट बटर और चॉकलेट बटरक्रॉम तक कई तरह के फ्लॉसिंग उपलब्ध हैं।

इतनी है कीमत?

इस बेकरी की वेबसाइट की मूल्य सूची के अनुसार, 30 मेघमानों तक के लिए इस केक की कीमत 225 अमेरिकी डॉलर या लगभग 16,691 रुपये है। बेकरी के मेन्यू में यह सबसे बड़ा केक है। वहीं मेघन के लिए जिस केक को ऑर्डर किया गया है, माना जा रहा है उसकी कीमत कीमत 225 अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

ये होंगे गेस्ट

अमेरिकी टैनिस् खिलाड़ी सेरेना विलियम्स और लेबनानी-ब्रिटिश बैरिस्टर अमाल क्लूनी मेघन की पार्टी में अतिथि होंगे। बता दें कि हाल ही में प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल ने जनवरी 2020 में सीनियर रॉयल्स का पद छोड़ दिया था। दंपति ने मार्च में अपनी सांता बारबरा हवेली खरीदी, जहां वे बेटे आर्ची और बेटी लिलिबेट के साथ रहते हैं।

अफगानिस्तान में इस साल अब तक 3,60,000 लोग विस्थापन के लिए मजबूर हुए : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुतेरस ने कहा कि अफगानिस्तान में बढ़ते संघर्ष के कारण इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 3,60,000 लोग विस्थापित होने के लिए मजबूर हुए हैं। उन्होंने लश्कराबाद में लोगों को सुरक्षा पर गहरी चिंता जतायी जहां तालिबान के साथ लड़ाई के कारण हजारों लोग फंसे हो सकते हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के सहायता अभियान (यूएनएएमए) ने शहरी इलाकों में लड़ाई को तत्काल बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि आम नागरिक हिंसा का दंश झेल रहे हैं। हाल की एक खबर के अनुसार, लश्कराबाद में पिछले 24 घंटों में 40 आम नागरिक मारे गए और 118 घायल हो गए।

कंधार में कम से कम पांच आम नागरिकों की मौत हो गयी और 42 जख्मी हो गए। महासचिव गुतेरस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को एक दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम लश्कराबाद में लोगों को सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं जहां लड़ाई के कारण हजारों लोग फंसे हो सकते हैं।' दुजारिक ने कहा कि इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक अफगानिस्तान में संघर्ष में करीब 3,60,000 लोग जबरन विस्थापित हुए हैं। करीब 50 लाख लोग 2012 से अब तक विस्थापित हो चुके हैं। साल के पहले छह महीनों में स्वास्थ्य केंद्रों पर हमलों ने तत्काल बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि आम नागरिक हिंसा का दंश झेल रहे हैं। हाल की एक खबर के अनुसार, लश्कराबाद में पिछले 24 घंटों में 40 आम नागरिक मारे गए और 118 घायल हो गए।

अनुरोध करते हैं।' उन्होंने बताया कि एक अगस्त को कंधार में 2,000 से अधिक लोगों को भोजन, पानी, सफाई व्यवस्था और नकद सहायता मुहैया करायी गयी। अफगानिस्तान में 'भयानक हिंसा' का सामना कर रहे बच्चों का जिक्र करते हुए दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (युनिसेफ) ने उस रिपोर्ट पर आक्रोश जताया है जिसमें फरयाद प्रांत में 12 वर्षीय लड़के से सरकारी विरोधी एक समूह के एक सदस्य ने क्रूरता से मारपीट की। युनिसेफ ने कहा कि इस हिंसा से लड़का सदमे में है और स्थानीय साझेदारों के साथ मिलकर उसे, उसके परिवार को सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, असैन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा अस्वीकार्य है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।



शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष न रहें

इस खतरे से अनजान

शिफ्ट में काम करने वाले लोगों खासकर पुरुषों को सामान्य की तुलना में सेहत से जुड़े एक बड़े खतरे का रिस्क ज्यादा होता है। हाल में हुए शोध की मानें तो शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों को टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क अधिक होता है। साथ ही जो लोग एक निर्धारित पाली की जगह बदलती हुई शिफ्ट में काम करते हैं उन्हें यह खतरा और भी ज्यादा होता है।

न्यूयॉर्क के लेनोक्स अस्पताल के क्लीनिकल मनोविज्ञानी डॉ. एलेन मेनेविट्ज कहते हैं कि यह शोध ज्यादा चौकाने वाला नहीं है। डॉक्टर काफी समय से महसूस कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों में काम करने से शरीर के रसायन प्रभावित होते हैं और इससे आंतों और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। यहां तक कि इससे कैंसर की आशंका भी रहती है। अब टाइप-2 मधुमेह को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है। विज्ञानियों ने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय शोधों का सहारा लिया जिनमें लगभग सवा दो लाख लोग शामिल थे। मुख्य शोधकर्ता चीन के वुहान में हुआजोंग युनिवर्सिटी के जुआन ली हैं, उनका कहना है कि इसमें कर्मचारियों के कई पहलुओं को शामिल किया गया है। जैसे पाली कब से कब तक है, बाड़ी मास इंडेक्स (वजन और लंबाई की गणना), परिवार में किसी को मधुमेह था या नहीं और

शारीरिक सक्रियता।

हालांकि नतीजे सीधे-सीधे कुछ नहीं कहते पर पाया गया कि शिफ्ट में काम करने वाले को मधुमेह होने की संभावना नौ फीसदी अधिक है। अगर कर्मी पुरुष हैं तो यह आंकड़ा 37 फीसदी हो सकता है।

हालांकि पुरुष मधुमेह की चपेट में क्यों ज्यादा आते हैं इसका कोई साफ कारण नहीं है लेकिन हार्मोन टेस्टोस्टेरोन इसमें अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही रोटेटिंग शिफ्ट में काम

करने वाले लोगों को टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 42 फीसदी ज्यादा होता है। टीम के अनुसार काम का समय

बार-बार बदलने से शरीर के लिए सोने और जागने का समय तय करना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही कम सोने से शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है जिससे डायबिटीज होती है। पहले के अध्ययन में मोटापे को मधुमेह का कारण बताया गया था। टीम का कहना है कि शिफ्ट में काम करने से कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप बढ़ते हैं। विज्ञानियों के अनुसार समय-समय पर मधुमेह का टेस्ट कराते रहना ही इस समस्या का निदान है।

ज्यादातर अघेड़ों या बुजुर्गों को होती है। 95 फीसदी मधुमेह रोगी टाइप-2 से

भी पीड़ित होते हैं। इसमें शरीर में ज्यादा ग्लूकोज या शुगर बनने लगता है। टाइप टू में शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पाता।

नतीजा मोटापा बढ़ने से होता है। ग्लूकोज सेल तोड़ने के लिए शरीर को ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता होती है। धीरे-धीरे पैन्क्रियाज इंसुलिन तैयार करने की क्षमता खो देते हैं। नतीजा कई अन्य रोगों की शुरुआत।

अलग-अलग पालियों में काम करने का असर

सोने और जागने का समय तय करना हो जाता है मुश्किल शरीर के रसायन होते हैं प्रभावित आंतों और दिल की बीमारियां होने का खतरा कैंसर के अलावा टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में भी आ सकते हैं।

चाय में छिपा खूबसूरती का राज



चाय का सेवन कुछ लोग थकान दूर करने तो कुछ आदतन करते हैं, लेकिन चाय की एक प्याली हमारे जीवन के अलग-अलग आयामों के लिए लाभदायक हो सकती है। वेबसाइट फीमेलफर्स्ट डॉट कॉ डॉट यूके के मुताबिक, हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई है कि चाय मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक दृष्टिकोण से लाभदायक होती है। वैज्ञानिकों ने हर किस्म के चाय से जुड़े स्वास्थ्य के सभी फायदे का परीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि यह न सिर्फ शारीरिक सौंदर्य बल्कि वजन कम करने और त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए भी लाभदायी होती है। टी एडवायजरी पैनल (टीएपी) के विशेषज्ञों ने चाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

त्वचा को नम बनाना - शरीर के अंगों, त्वचा और कोशिका के लिए पानी आवश्यक होता है। नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रतिदिन छह कप चाय का सेवन करने से इनकी यह जरूरत पूरी हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा में चाय की भूमिका - स्वस्थ त्वचा यानी नम त्वचा। पर्याप्त तरल पदार्थ लेना, जिसमें सभी प्रकार के चाय शामिल हो सकती है, शरीर में तरलता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्योंकि खासतौर से गर्मी के दिनों में शरीर से पर्याप्त मात्रा में पानी निकल जाता है। पर्याप्त पानी से त्वचा अच्छे हालात में बनी रहती है।

चाय और वजन घटाना - चाय का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता। एक सप्ताह से ज्यादा चाय पीने से चाय न पीने वालों की अपेक्षा वजन कम बढ़ता है। काली चाय, कम मलाई वाले दूध की चाय और बिना चीनी वाली चाय सहित सभी चाय में अन्य चर्चित पेय पदार्थों की अपेक्षा कम कैलोरी होती है।

चाय और खूबसूरती - चाय में हमारी त्वचा की खूबसूरती के लिए पर्याप्त पानी मौजूद होता है और यह वजन घटाने में मदद करता है। एक टी बैग में भी खूबसूरती के राज छिपे होते हैं। टी बैग को गुनगुने पानी में डाल कर फिर इसे बंद आंखों के ऊपर रखने से आंखों को थकान से राहत मिलती है।

अवसाद बढ़ सकता है अत्यधिक

छोटा या लंबा होना

सेना में अधिक शारीरिक लंबाई और कम लंबाई वाले लोगों में औसत लंबाई वाले अपने सहयोगियों की अपेक्षा अवसाद का खतरा ज्यादा होता है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि औसत से अधिक लंबे या कम लंबे पुरुषों में अवसाद की समस्या का खतरा ज्यादा होता है। कैलिफोर्निया के केंप पैडल्टन स्थित नेवेल हॉस्पिटल की वेलेरी करुपनिक और युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया की मारिया केरकासोवा ने एक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक में सेना के इयूटी पर तैनात 196 पुरुषों में अवसाद संबंधी बातों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का अनुमान था कि औसत से कम लंबाई वाले सैनिकों में अवसाद का खतरा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि सेना में शारीरिक कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इसके उलट शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसाद की समस्या औसत से अधिक लंबे पुरुषों में भी कहीं ज्यादा होती है, क्योंकि कई बार वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। करुपनिक ने कहा, बच्चों के शारीरिक कद को ध्यान में रखकर हमारे यहां विशेष कार्यक्रम नहीं चलाए जाते।

बारिश में जुकाम

से कैसे बचें



इस मौसम में सर्दी-खांसी आम बात है। तुलसी और अदरक इस मौसम में लाभदायक होते हैं। तुलसी में काफी उपचारी गुण समाए होते हैं, जो जुकाम और फ्लू आदि से बचाव में कारगर हैं। तुलसी की पत्तियां चबाने से कोल्ड और फ्लू दूर रहता है। इसी तरह तुलसी और बांसा की पत्तियां (प्रत्येक 5 ग्राम) पीसकर पानी में मिलाएँ और काढ़ा तैयार कर लें। इससे खांसी और दमा में काफी फायदा मिलेगा। अलसी के बीज (लिनसीड) भी खांसी के इलाज में काफी कारगर होते हैं, क्योंकि ये बलगम बाहर निकालने में मदद करते हैं। इनका काढ़ा बनाकर पी लें या फिर बीजों को पीसकर चाट लें। जल्द राहत के लिए 10 ग्राम अलसी के पिसे बीजों को मुलेठी के चूर्ण में मिलाएँ और 200 मिली पानी में इन्हें पानी के आधा रह जाने तक उबालें। इसमें 20 ग्राम शुद्ध शहद मिलाएँ और गरम-गरम पिएँ। इससे शरीर का बलगम बाहर निकलता है और खांसी में राहत मिलती है। अदरक की चाय इस मौसम में स्वाद और सेहत दोनों की दृष्टि से अच्छी है।

गंजेपन

ये छ्मेशा के लिए छुटकावा दिलाएगा यह उपाय



सिर पर बाल झड़ गए हैं या गंजेपन ने आपको समय से पहले ही अंकल बना दिया हो निराश न हों, इससे हमेशा के लिए छुटकारा अब और भी सुलभ है।

वैज्ञानिकों ने सीने के बाल को सिर पर ट्रांसप्लांट कर गंजेपन के बावजूद भी बाल उगाने में सफलता प्राप्त की है। इस विधि को उन्होंने फॉलिक्यूलर युनिट एक्सट्रैक्शन का नाम दिया है।

क्यों है अधिक असरदार

अब तक बालों के ट्रांसप्लांट के दौरान सिर के पिछले हिस्से से, जहां बाल अधिक होते हैं, बाल निकालकर सिर के उन हिस्सों पर लगाया जाता है जहां बाल झड़ चुके हैं।

यह प्रक्रिया दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही इसकी सफलता की गुंजाइश भी पूरी नहीं होती है। अक्सर गंजेपन के दौरान लोगों के सिर के पिछले हिस्से में भी बाल या तो कम होते हैं या फिर कमजोर, इसलिए जल्द ही नहीं कि इनका ट्रांसप्लांट पूरी तरह सफल हो।

ऐसे में सीने के बालों को सिर पर लगाने की यह विधि अपेक्षाकृत अधिक असरदार है।

कैसे होगा ट्रांसप्लांट

इस प्रक्रिया के अंतर्गत सर्जन मरीज के सीने पर शैव कर बाल निकाल लेता है। इफर इनमें से सेहत फॉलिकल को मरीज के सिर के गंजे भाग पर ट्रांसप्लांट करता है।

सामान्यतः एक बार सिर पर इस विधि से बाल ट्रांसप्लांट करने का खर्च 10,000 पाउंड यानी 10,20,268 रुपए आता है।

रात में जल्दी खाना खाने के ये है

फायदे

रात में भोजन कैसा हो, सेहत के लिए यह जितना जरूरी है, भोजन कब हो जैसा सवाल भी उससे कम जरूरी नहीं है। आमतौर पर डॉक्टरों का मानना है कि रात के भोजन और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर सेहतमंद जीवन के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप अब भी देर रात खाना खाते हैं तो जल्दी भोजन करने के ये 5 फायदे जानने के बाद आप भी जल्दी खाना शुरू कर देंगे।



वजन पर नियंत्रण

अगर आप देर रात खाना खाएंगे तो सुबह का नाश्ता इससे प्रभावित होगा। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि सुबह का नाश्ता ठीक से न करने के कारण लोग दिन भर ओवरडाइट करते हैं।

रात के भोजन का आपकी

बॉडी क्लॉक व्यवस्थित रखने में बड़ा रोल है जिससे और ओवरडाइट न करें और मोटापे के शिकार न हो सकें।



गैस्ट्रिक संबंधी समस्याओं से बचाव

अगर आपको गैस्ट्रिक संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं तो आप रात में जल्दी खाने की आदत डाल ही लें।

दरअसल, खाने के

ठीक बाद सोने से भोजन का पाचन अच्छी तरह नहीं हो पाता है जिससे हार्टबर्न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

अच्छी नींद के लिए

रात में जल्दी और सेहतमंद भोजन



करने से नींद न आने की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह बॉडी क्लॉक को व्यवस्थित रखने में मददगार है जिससे नींद न आने की दिक्कत दूर होती है।

ऊर्जा बरकरार रहती है

देर रात तक ढेर सारा भोजन करने से आप नाश्ता अच्छी तरह नहीं कर पाते जिससे दिन भर आपको ऊर्जा की कमी महसूस होती है। रात में जल्दी खाने से अगले दिन सुबह का नाश्ता भरपूर होता है जिससे ऊर्जा बनी रहती है।

रोगों से बचाव

कई शोधों में माना जा चुका है कि रात में जल्दी भोजन करने वाले लोगों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे दिल के रोगों का रिस्क कम होता है।





रुपये में तेजी बरकरार

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले में गुरुवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे की मामूली तेजी के साथ ही 74.17 रुपये पर बंद हुआ। निवेशकों को अब भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को होने वाले नीतिगत फैसलों का इंतजार है, जिससे कारोबारी गतिविधियों में कमी दिखेगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह रुपया 74.15 पर खुला तथा कारोबार के दौरान 74.28 रुपये के निम्नतम स्तर तक पहुंच गया। अंत में यह पिछले सत्र के बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की तेजी के साथ 74.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया 74.19 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ ही 92.22 रह गया।

कोवैक्सिन को हंगरी में जीएमपी प्रमाणपत्र

हैदराबाद। भारत बायोटेक के कोरोना वायरस के टीके को हंगरी में गुड मैनुफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज (जीएमपी) अनुपालन प्रमाणपत्र मिला है। टीका विनिर्माता ने टिक्कर पर यह जानकारी दी। कंपनी ने एक टिक्कर में कहा कि हमने एक और मुकाम प्राप्त कर लिया है। कोवैक्सिन को हंगरी में जीएमपी प्रमाणपत्र दिया गया। यह यूरोपीय नियामकों से भारत बायोटेक को मिला पहला यू.डी.डी.एमपी अनुपालन प्रमाणपत्र है। टिक्कर पर खले गए एक नोट में कहा गया कि हंगरी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासी एंड न्यूट्रिशन ने कोवैक्सिन के विनिर्माण के लिए जीएमपी प्रमाणपत्र दिया है। भारत बायोटेक ने कहा कि जीएमपी प्रमाण पत्र अब यू.डी.डी.एमपी डेटाबेस में सूचीबद्ध है जो विनिर्माण प्रक्रियाओं के यूरोपीय समुदाय के रिपोर्ट और अच्छे विनिर्माण अध्यास के प्रमाण पत्र का संग्रह है।

स्पाइसजेट और गो फर्स्ट ने नहीं किया 2.74 करोड़ का भुगतान

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट और गो फर्स्ट ने एक जून तक अहमदाबाद हवाई अड्डे के रनवे का उपयोग करने के लिए लगभग 2.74 करोड़ रुपए बकायों का भुगतान नहीं किया है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जीके सिंह ने यह जानकारी दी है। गो फर्स्ट को पहले गोएयर के नाम से जाना जाता था। कोरोना वायरस महामारी के बीच मार्च 2020 से यात्रा प्रतिबंधों के कारण एयरलाइन को भारी नुकसान हुआ है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सिंह ने कहा कि पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान अहमदाबाद हवाई अड्डे के रनवे का उपयोग करने वाली निजी कंपनियों की संख्या, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ऑपरटर भी शामिल हैं, 500 है।

सरकार ने बांधों में सुधार के लिए विश्वबैंक से किया ऋण समझौता

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि उसने विश्व बैंक के साथ 25 करोड़ डॉलर (लगभग 1,855 करोड़ रुपए का ऋण समझौता किया है और इस राशि का इस्तेमाल देश में मौजूदा बांध ढांचे को सुरक्षित बनाने में किया जाएगा। केंद्रीय जल आयोग के साथ 10 हिस्सेदार राज्यों के सरकारी प्रतिनिधि भी ऋण समझौते का हिस्सा हैं। जल शक्ति मंत्रालय ने कहा कि समझौते के तहत 10 राज्यों छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, ओडिशा, राजस्थान और तमिलनाडु और केंद्रीय जल आयोग ने भाग लिया। जानकारी के मुताबिक लंबी अवधि की यह 25 करोड़ डॉलर की परियोजना बांध सुरक्षा कार्यक्रम और भारत के विभिन्न राज्यों में मौजूदा बांधों की सुरक्षा एवं प्रदर्शन में सुधार के लिए है।

बिड़ला के चेयरमैन पद से हटने के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों में जारी गिरावट

मुंबई। कुमार मंगलम बिड़ला के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के पद से हटने के बाद गुरुवार को वोडाफोन आइडिया के शेयरों में और गिरावट देखी गई है। बिड़ला ने कंपनी को चालू रखने के लिए कर्ज में डूबी कंपनी को अपनी हिस्सेदारी सरकारी संस्थाओं को सौंपने की पेशकश के बाद पिछले तीन दिनों से इसके शेयरों में गिरावट दर्ज की है। सुबह करीब 11.50 बजे, बीएसई पर इसके शेयर 5.33 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो इसके पिछले बंद से 11.61 प्रतिशत कम है। इसने 4.55 रुपये प्रति शेयर के नए 52 सप्ताह के निचले स्तर को छुआ। बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में, कंपनी ने कहा, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज हुई अपनी बैठक में कुमार मंगलम बिड़ला के गैर-कार्यकारी निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड 4 अगस्त, 2021 को कार्य समय की समाप्ति की वजह से यह प्रभाव है। नतीजतन, बोर्ड ने सर्वसम्मति से हिमांशु कपानिया, जो वर्तमान में एक गैर-कार्यकारी

मिडकैप ने पिछले 12 महीनों में लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया

मुंबई। महामारी के बीच पिछले एक साल में शेयर बाजारों में तेजी के बीच मिडकैप शेयरों ने इस दौरान लार्जकैप शेयरों से बेहतर प्रदर्शन किया है। मोटिलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 12 महीनों में निफ्टी में 42 फीसदी की बढ़ोतरी के मुकाबले मिडकैप में 80 फीसदी की तेजी आई है। पिछले पांच साल में मिडकैप ने 6 फीसदी बेहतर प्रदर्शन किया है। बुल्स एंड वियर्स (अगस्त 2021) इंडिया वेल्यूरेशन हैंडबुक में कहा गया है, पी ऑब्लिक ई (आय से कमाई) के लिहाज से निफ्टी मिडकैप 100 निफ्टी के

शेयर बाजार में तेजी बरकरार



सेंसेक्स और निफ्टी बढ़ने के साथ बंद मुंबई।

मुंबई शेयर बाजार में गुरुवार को भी तेजी बनी रही हालांकि कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव बना रहा। घातु और आईटी के साथ ही एफएमसीजी शेयरों में हुई लिक्वालि (खरीदारी) से बाजार में यह तेजी आई है। वहीं अन्य शेयर में गिरावट रही। दिन भर के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई 123.07 अंक करीब 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,492.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं एक समय यह 54,717.24 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंचा गया था पर इसके बाद यह नीचे आने लगा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 35.80 अंक करीब 0.22 फीसदी ऊपर आकर नये रिकार्ड स्तर 16,349.60 अंक पर बंद हुआ।

आरबीआई ने चालू खातों के नए नियमों की समयसीमा बढ़ाई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए चालू खातों के नए नियमों को लागू करने की तारीख बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी है। पिछले कुछ दिनों में छोटे कारोबारियों के चालू खाते बंद किए जाने से उनके कारोबार पर पड़ रहे असर से जुड़ी विभिन्न रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया है। आरबीआई ने कहा कि चालू खाते के लिए नए नियमों का उद्देश्य कर्जदारों के बीच ऋण अनुशासन लागू करने के साथ-साथ बैंकों को बेहतर निगरानी की सुविधा प्रदान करना है। उसने हालांकि नए चालू खाते और नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट सीसी/ओडी सुविधाओं के मामले में बैंकों से सतर्क रह अनपाने को कहा है। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को इन निर्देशों को उधारकर्ताओं की वास्तविक व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बिना किसी बाधा के लागू करने की जरूरत थी। उसने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उसे छोटे कारोबारियों से बैंक द्वारा उनके खाते बंद किए जाने की शिकायतें मिली हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि नए नियमों को लागू करने संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए उसे बैंकों से कुछ और समय के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं। जिसके चलते नियमों को लागू करने की समयसीमा को बढ़ाकर 31 अक्टूबर, कर दिया गया है।



टेक्नो की पोवा 2 पहली सेल 10499 रुपये की आकर्षक कीमत पर अमेज़ॉन पर लाइव

नई दिल्ली। वैश्विक स्मार्टफोन ब्रांड टेक्नो ने 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को और अधिक आनंदमय बनाने के उद्देश्य से, गुरुवार को सीमित समय अवधि के लिए ब्रांड के कुछ लोकप्रिय स्मार्टफोन्स पर रोमांचक छूट और ऑफर्स की घोषणा की, जिसमें अमेज़ॉन पर पोवा 2 की शुरुआत भी शामिल है। पोवा 2 पांच से नौ अगस्त से अमेज़ॉन के ग्रेट फ्रीडम फेस्टिवल पर दो स्टोरेज वेरिएंट में 4 जीबी प्लस 64 जीबी के लिए 10,499 रुपये और 6 जीबी प्लस 128 जीबी के लिए 12,499 रुपये के विशेष लॉन्च मूल्य पर उपलब्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा, वर्तमान में, पोवा 2 एकमात्र स्मार्टफोन है, जिसमें 7000 एमएच की बैटरी 15 हजार से कम की श्रेणी (सेगमेंट) में उपलब्ध है। 18वॉट ड्यूअल आईसी फास्ट चार्ज दिया गया है, जो एक निरबाध गेमिंग और क्राइड-कैमरा सेट-अप, मीडियाटेक हीलियो

जी85 ऑक्टो-कोर प्रोसेसर, 18वॉट ड्यूअल आईसी फास्ट चार्ज और 6.95 एचएचडी प्लस डॉट-इन डिस्पले और बेहतरीन वीडियो और गेम स्ट्रीमिंग अनुभव जैसी अविश्वसनीय सुविधाओं की पेशकश करने के साथ एक सम्मोहक पावर-पैक प्रदर्शन पैकेज बन जाता है। तकनीक की समझ रखने वाले मिलेनियल और जेन जेड उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया पोवा 2 स्मार्टफोन पावर बैंक-अप अनुभव को बदलने के लिए तैयार है, ताकि उपभोक्ताओं की पूरे दिन की बैटरी प्रदर्शन की बढ़ती आवश्यकता को पूरा किया जा सके, जो तेजी से अपने मोबाइल उपकरणों पर अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। स्मार्टफोन में हाई-परफॉर्मिस मीडियाटेक हीलियो जी85 ऑक्टो-कोर प्रोसेसर, इन-बिल्ट हाइपर इजन गेमिंग टेक्नोलॉजी और 18वॉट ड्यूअल आईसी फास्ट चार्ज दिया गया है, जो एक निरबाध गेमिंग और मल्टीटास्किंग अनुभव प्रदान करता है।

पिलपकार्ट को 10,600 करोड़ का नोटिस



नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ई-कॉमर्स कंपनी पिलपकार्ट और उसके प्रवर्तकों को करीब 10,600 करोड़ रुपए का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की विभिन्न धाराओं के तहत पिछले महीने 10 लोगों को नोटिस जारी किया गया था, जिनमें पिलपकार्ट और उसके संस्थापक सचिन बंसल और विनी बंसल शामिल हैं। जांच पूरी होने के बाद नोटिस जारी किया गया और कंपनी पर लगे आरोपों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों का उल्लंघन और बहु-ब्रांड खुदरा को विनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली कंपनी और उसके अधिकारी अब न्यायिक फैसले का सामना करेंगे। एजेंसी के चेअरमैन स्थित एक विशेष निदेशक-रैंक के अधिकारी इस कार्यवाही का संचालन करेंगे।

राजस्थान सरकार पर्यटकों को सीमाओं की सुंदरता दिखाने की बनाएगी योजना

जयपुर। पंजाब से प्रेरणा लेते हुए, राजस्थान पर्यटन जलद ही सीमा पर्यटन और इसके खूबसूरत खिंचाव को पर्यटकों के लिए उसी तर्ज पर बढ़ावा देगा, जैसा कि पंजाब ने वाघा सीमा पर किया है, जहां साल भर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। राजस्थान पर्यटन के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है और कहा है कि महामारी के बाद की अवधि के दौरान, राज्य नए गंतव्यों को तैयार करना चाहता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सीमाओं की सुंदरता का अनुभव करना पर्यटकों के लिए एक नया अनुभव होगा। जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में सीमा पर अधिक पर्यटक आते हैं। जैसलमेर जिले में राजस्थान में रेगिस्तानी इलाके का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जैसलमेर जिला मुख्यालय से 125 किमी पश्चिम में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनोत तनोत का मंदिर भारतीय पर्यटकों और भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण है। इस मंदिर का रखरखाव बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के स्थानीय दल द्वारा किया गया है जो पूजा और भक्ति समारोह करता है। वरिष्ठ पर्यटन अधिकारी ने आईएनएस को बताया कि बहुचर्चित बॉलीवुड फिल्म बॉर्डर ने आस्था के इस स्थान को भी चित्रित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा जो मंदिर से थोड़ी दूरी पर है, आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। इस जगह के पास एक किला भी है जिसे किशनगढ़ के नाम से जाना जाता है, जो ईंटों और गारे से बना है।पास में ही लोणेवाला का स्थान है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध का गवाह था। भारतीय सेना द्वारा नष्ट किए गए पाकिस्तानी सेना के सैन्य वाहनों और टैंकों को प्रदर्शन के लिए रखा गया है। यहां एक थिएटर भी है जो भारतीय जिले के बारे में श्रीगंगानगर से 18 किमी की दूरी पर स्थित हिंदूमल कोट सीमा चौकी काफी प्रसिद्ध है। चौकी का नाम बीकानेर की तत्कालीन रियासत के प्रमुख दीवान हिंदूमल के नाम पर रखा गया है। इस चौकी पर स्थित रेलवे स्टेशन की बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि यह भारत और पाकिस्तान को रेल मार्ग से जोड़ता है और दोनों देशों के बीच माल के आयात और निर्यात का भी प्रबंध करता है।



संचालित है। सांचू चौकी पर जाने के लिए पर्यटकों को बीकानेर में बीएसएफ से अनुमति लेनी होती है। पर्यटकों को पाकिस्तान की ओर की पोस्ट और संग्रहालय भी दिखाया जाता है। पर्यटकों को भुगतान पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए बीएसएफ द्वारा एक सुविधा प्रदान की गई है।श्रीगंगानगर जिले के क्षेत्र के बारे में श्रीगंगानगर से 18 किमी की दूरी पर स्थित हिंदूमल कोट सीमा चौकी काफी प्रसिद्ध है। चौकी का नाम बीकानेर की तत्कालीन रियासत के प्रमुख दीवान हिंदूमल के नाम पर रखा गया है। इस चौकी पर स्थित रेलवे स्टेशन की बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि यह भारत और पाकिस्तान को रेल मार्ग से जोड़ता है और दोनों देशों के बीच माल के आयात और निर्यात का भी प्रबंध करता है।

TECNO
GREAT FREEDOM FESTIVAL PRESENTS
POVA 2 7000mAh
4GB + 64GB ₹10,499*
6GB + 128GB ₹12,499*
*Inclusive of ₹500 Coupon
SALE IS LIVE NOW ON amazon.in

कोरोना के कारण एनएचएआई को हुआ 3,512 करोड़ का राजस्व नुकसान: गडकरी



नई दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों के कारण 3,512.62 करोड़ रुपए के राजस्व के नुकसान का अनुमान है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 में अनुमानित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह क्रमशः 27,682.89 करोड़ रुपए और 28,548.05 करोड़ रुपए रहा। गडकरी ने कहा, वित्त वर्ष (वित्त वर्ष) 2020-21 में कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों के कारण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के शुल्क प्लाजा पर शुल्क संग्रह में 3,512.62 करोड़ रुपए के राजस्व के नुकसान का अनुमान है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 में अनुमानित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह क्रमशः 27,682.89 करोड़ रुपए और 28,548.05 करोड़ रुपए रहा। गडकरी ने कहा, वित्त वर्ष (वित्त वर्ष) 2020-21 में कोविड-19

प्लेटिनम इवारा ने मजबूत व दयालु महिला का सम्मान किया, जो #राइज़विदग्नेस का चयन करती है



आज की महिला को शक्ति व दृढ़ता से प्रेरित प्लेटिनम इवारा, उनके साहस को बेहतर प्लेटिनम ज्वेलरी कलेक्शन से सम्मानित कर रहा है। महामारी की दूसरी विनाशकारी लहर का समाज के विभिन्न वर्गों पर दूरामी प्रभाव हुआ है। इस समय में, महिलाओं ने सामने आकर नेतृत्व किया और वो अपने परिवारों व समुदायों को एक साथ बांधकर उनका सहारा बन गईं। वैश्विक नेतृत्वकर्ता और फ्रंटलाइन कर्मियों से लेकर गृहणीयों एवं वेतनभोगी व्यवसायियों तक, विभिन्न क्षेत्रों की महिलाएं शक्ति, दृढ़ता एवं दया की पथप्रदर्शक बन गईं। सहानुभूति, दया, दृढ़ता के सराहनीय मूल्यों के साथ महिलाओं ने इस चुनौती का सामना शक्ति व साहस के साथ किया। वो अपने से जुड़े लोगों के लिए चट्टान की तरह ठोस बनकर खड़ी हो गईं। इन अद्भुत महिलाओं के लिए सितारों में जन्मा मेटल - प्लेटिनम सर्वश्रेष्ठ है। लाखों साल पहले एक उत्कृष्ट पत्थर के पृथ्वी से टकराने से धरती पर एक च्वाइस्ट मेटल आया, जो तब ही बहुमूल्य का प्रतीक बना हुआ है। प्लेटिनम का आंतरिक चमक ज्वेलरी के किसी भी अन्य मेटल से ज्यादा होता है, इसलिए यह शक्ति का सच्चा प्रतीक है। यह दृढ़ है, कभी परिवर्तित नहीं होता और इसका प्राकृतिक च्वाइस्ट रंग कभी कम नहीं होता, जो महिलाओं को अदम्य भावना को प्रतिबिंबित करता है। अपने इन गुणों के कारण प्लेटिनम आज की युवा, दृढ़ व दयालु महिलाओं के लिए श्रेष्ठ है। प्लेटिनम इवारा अपने खूबसूरत आभूषणों के साथ इन महिलाओं को सम्मानित कर रहा है। अपने कलेक्शन में प्लेटिनम इवारा का हर आभूषण शक्ति, दया एवं सहानुभूति को प्रतिबिंबित करता है। इसके डिज़ाइन में अनेक पक्षों, परिवर्तनकारी रेखाओं व फ्रेंम्स का समावेश है, जो वॉल्यूम की मरिचिका उत्पन्न करते हैं। यह कोणीय, स्तरीय एवं विमोघ रूप से बहावपूर्ण है। इसमें वृत्ताकार रूप, तीक्ष्ण एवं नालीदार आकृतियां हैं। इन आभूषणों में स्टैटमेंट बनाने वाली प्लेटिनम रिंग्स, खूबसूरत डिज़ाइन के प्लेटिनम नेकवियर, एवं इयरिंग्स और ब्रेसलेट्स जैसे खूबसूरत व आवश्यक आभूषण हैं।

41 साल का इंतजार खत्म! जर्मनी को हराकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक

जर्मनी को 5-4 से हराकर ब्रॉन्ज अपने नाम किया, प्रधानमंत्री मोदी ने टीम इंडिया को बाधाई दी...

तो वो। (एजेंसी)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने 41 साल के लंबे इंतजार के बाद ओलंपिक खेलों में पदक जीता है। जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय हॉकी टीम ने आखिरी बार सबसे बड़े मंच पर 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक के साथ चमके थे। सिमरनजीत सिंह भारत के लिए स्टार रहे। जबकि भारत के लिए हार्दिक सिंह, हरमनप्रीत सिंह और रफिंदर पाल सिंह ने अन्य तीन गोल दामे।

पीएम मोदी ने दी बाधाई!

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया और कहा कि, ऐतिहासिक! एक ऐसा दिन जो हर भारतीय की याद में अंकित होगा। कांस्य पदक जीतने के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बाधाई। भारत को अपनी हॉकी टीम पर गर्व है।

वहीं पूर्व खेल मंत्री और केंद्रीय मंत्री किरन रिजजू ने कहा कि, 41 साल बाद! भारतीय हॉकी और भारतीय खेलों के लिए स्वर्णिम क्षण! लंबा इंतजार खत्म हुआ, भारत ने टोक्यो ओलंपिक में हॉकी पुरुष ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के लिए जर्मनी को हरा दिया। जश्न के मूड में है भारत! हमारे हॉकी खिलाड़ियों को बाधाई!



ओलंपिक कांस्य पदक मैच में पुरुष टीम की उपलब्धि को दोहराना चाहेगी भारतीय महिला टीम

तो क्यो। सभी उम्मीदों को पूरा करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम अब शुक्रवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में ओलंपिक में पहली बार शीर्ष तीन में स्थान बनाकर और आगे बढ़ना चाहेगी। पुरुष टीम ने गुरुवार को कांस्य पदक के प्ले-ऑफ मैच में जर्मनी को 5-4 से हराकर 41 साल बाद ओलंपिक पदक हासिल कर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद शुक्रवार को देश की खुशी दोहरी कराने चाहेगी। लेकिन भारतीय टीम के लिये यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि उन्हें पूल चरण में गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन से 1-4 से हार झेलनी पड़ी थी।



भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने आखिरी पलों में गंवाया पदक, सैन मारिनो के खिलाड़ी ने जीता कांस्य



तो वो। (एजेंसी)

टोक्यो ओलंपिक 2020 में मजबूत शुरुआत करते हुए भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने फाइनल मुकाबले में शानदार शुरुआत की लेकिन अंतिम पलों में सैन मारिनो के खिलाड़ी नाजेम मायलस को पटकनी नहीं दे पाए। हरियाणा के झज्जर जिले में जन्मे दीपक पूनिया को सेमीफाइनल मुकाबले में निराशा

हाथ लगी थी। जिसके बाद कांस्य पदक के लिए सैन मारिनो के साथ उनका मुकाबला हुआ। सैन मारिनो के साथ खेले गए मुकाबले में भी दीपक पूनिया ने शुरुआती पलों में बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन अंततः विरोधी खेमे के खिलाड़ी ने 3-2 से बाजी मार ली। हालांकि अपना पहला ओलंपिक खेल रहे दीपक पूनिया ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका है।

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय गोल्फर अदिति अशोक का शानदार प्रदर्शन, दूसरा स्थान किया हासिल



टोक्यो। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने ओलंपिक खेलों में शानदार शुरुआत की। दूसरे दिन गुरुवार को 6-अंडर 66 का स्कोर हासिल करके दूसरा स्थान पर पहुंच गईं। 5 साल पहले रियो ओलंपिक में गोल्फ जगत का ध्यान अपनी तरफ खींचने वाली अदिति अशोक दूसरे स्थान पर हैं। इस मुकाबले में अदिति अशोक से मेडलिन सगस्ट्रॉम एक स्ट्रोक पीछे हैं, जो वर्तमान में 9-अंडर पर है। बीते दिनों बेंगलुरु में जन्मी अदिति अशोक ने 4-अंडर 67 का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल कर लिया था और वह नंबर एक गोल्फर नैली कोरडा के साथ दूसरे स्थान पर रहीं थीं। मुकाबले के बाद अदिति अशोक ने बताया था कि मैंने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया। मुझे लगा नहीं था कि इतना स्कोर कर पाऊंगी। अदिति अशोक बुधवार को टॉप स्कोर बन सकती थीं लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहीं। 5 साल की उम्र में गोल्फ के प्रति उत्साह पैदा करने वाली अदिति अशोक ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इतना ही नहीं अदिति अशोक साल 2017 में एलपीजीए टूर में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय गोल्फर बनी थीं।

विनेश कार्टर फाइनल में हारी, अंशु भी हार के साथ पदक की दौड़ से बाहर

चीबा (जापान)। पदक की प्रबल दावेदार विनेश फोगाट को गुरुवार को यहां महिला 53 किग्रा वर्ग के कार्टर फाइनल में बेलारूस की वेनेसा कालादजिन्सकाया ने च्यत करके उलटफेर करते हुए स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर कर दिया और अब भारतीय पहलवान प्रतियोगिता से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। विनेश के पास वेनेसा के मजबूत रक्षण का कोई जवाब नहीं था। वेनेसा ने इसके साथ ही इस साल यूक्रेन में भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ इसी तरह की शर्मनाक हार का बदला चुकता कर दिया। विनेश ने तब वेनेसा को गिराकर 'बाय फॉल' से जीत दर्ज की थी। यूरोपीय चैंपियन वेनेसा ने अपनी रणनीति को काफी अच्छी तरह लागू किया और विनेश उनके रक्षण को भेदकर अंक जुटाने में नाकाम रही। अंक जुटाने में विफल रहने के बाद शीर्ष वरीय विनेश ने धैर्य खो दिया।



शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ने कहा- चोटिल कलाई के साथ ओलंपिक में उतरा था



टोक्यो। एशियाई रिकॉर्डधारी गोलाफेंक खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ने गुरुवार को कहा कि वह कलाई में चोट के साथ खेल रहे थे और अब उन्हें इसके लिये सर्जरी की जरूरत होगी। तूर 19.99 मीटर का एक ही श्रो पहले प्रयास में फेंक सके और 24 खिलाड़ियों में 13वें स्थान पर रहे। उन्होंने कहा, "मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था। सिर्फ प्रतियोगी के तौर पर नहीं गया था लेकिन मैं कर नहीं पाया।" उन्होंने कहा, "मेरी कलाई की चोट फिर उभर आई जो ओलंपिक क्वालीफिकेशन के दौरान लगी थी। मैं इस पर ध्यान नहीं देने की कोशिश कर रहा था लेकिन ऐसा हो नहीं सका।" तूर ने कहा, "मुझे डॉक्टर तीन साल से आपरेशन की सलाह दे रहे हैं। अब मुझे कराना ही होगा। उम्मीद है कि मजबूती से वापसी करूंगा।"

सिटी ओपन: राफेल नडाल ने पहले दौर के कड़े मुकाबले में अमेरिका के जैक सॉक को हराया



वाशिंगटन। लगभग दो महीने के बाद प्रतिस्पर्धा पेश कर रहे स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने बायें पैर में दर्द के बीच सिटी ओपन के पहले दौर के कड़े मुकाबले में अमेरिका के जैक सॉक को हराया। नडाल ने काफी गलतियों की लेकिन इसके बावजूद दुनिया के 192वें नंबर के खिलाड़ी सॉक को तीन घंटे से अधिक चले मुकाबले में 6-2, 4-6, 7-6 से हारने में सफल रहे। नडाल इस टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे हैं और उन्हें खेलते हुए देखने 7500 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था।

न्यूजीलैंड 18 साल बाद करेगा करेगा पाकिस्तान का दौरा: पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की है कि न्यूजीलैंड 18 साल के अंतराल के बाद पाकिस्तान दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान का दौरा नवंबर 2003 में किया था। रावलपिंडी के पिंडी क्रिकेट स्टेडियम में 17, 19 और 21 सितंबर को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेले जाएगी। वहीं लाहौर के गद्दफी स्टेडियम में 25 सितंबर से 3 अक्टूबर तक पांच टी20 मैचों की सीरीज खेले जाएगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन टीम अगले साल टेस्ट सीरीज खेलने फिर से पाकिस्तान जाएगी। पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने एक प्रेस रिलीज में कहा, न्यूजीलैंड जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ लाल और सफेद गेंद की सीरीज काफी रोमांचक होने वाली है। 2019 विश्व कप के फाइनलिस्ट, जो विश्व टेस्ट चैंपियन भी हैं और टी20 रैंकिंग तीसरे स्थान पर हैं, उनके आने से स्थानीय प्रशंसकों जबरदस्त आकर्षित होंगे और पाकिस्तान को एक सुरक्षित होने की भी पहचान मिलेगी। खान ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दो अतिरिक्त टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के हमारे प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ये न केवल दोनों देशों को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की तैयारियों में मदद करेगा बल्कि पाकिस्तान में अतिरिक्त दिन बिताने का मौका होगा और हमारी संस्कृति को और करीब से जानने का भी मौका होगा।

ओलंपिक (कुश्ती): रवि ने जीता रजत

भारत को दिलाया पांचवां पदक



तो वो। (एजेंसी)

भारत के पहलवान रवि कुमार दहिया को यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक के पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में रूस

उन्होंने सेमीफाइनल में पीछे चल रहे होने के बावजूद कजाखस्तान के नूरइस्लाम सनायेव को हराकर फाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए पदक पक्का कर लिया था। भारोत्तोलक मीराबाई चानू के बाद भारत का यह दूसरा रजत और टोक्यो ओलंपिक में कुल पांचवां पदक है। भारत ने अबतक इस ओलंपिक में दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं।

सुशील कुमार के 2012 लंदन ओलंपिक में 66 किग्रा फ्रीस्टाइल में रजत जीतने के बाद रवि ने ओलंपिक में कुश्ती में देश को दूसरा रजत पदक दिलाया है। फाइनल मुकाबले के पहले पेरियड में दो बार के विश्व चैंपियन उगयेव ने दो अंक लिए। लेकिन रवि ने तुरंत वापसी की और दो अंक बटोर स्कोर बराबर किया। हालांकि, फिर उगयेव ने दो अंक हासिल कर 4-2 की बढ़त लेकर मैच में अपनी पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे पेरियड में भी उगयेव ने एक अंक लिया। फिर उगयेव ने रवि को टेकडाउन कराकर दो और अंक हासिल किए और स्कोर 7-2 कर दिया। हालांकि, रवि ने एक बार फिर वापसी की और दो अंक बटोर फासला कम कर लिया। लेकिन उनकी यह कोशिश मुकाबला जीतने के लिए काफी नहीं रही और उन्हें इस हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

प्रो कबड्डी लीग का आठवां सीजन दिसंबर से, खिलाड़ियों की नीलामी 29 से 31 अगस्त तक

मुंबई। (एजेंसी)

वोवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) की वापसी के लिए मंच तैयार हो गया है और सीजन 8 की शुरुआत इस साल दिसंबर से होगी जबकि इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 29-31 अगस्त के लिए निर्धारित की गई है।

लीग का आयोजक मशाल स्पोर्ट्स 12 फ्रेंचाइजी के साथ मुंबई में सीजन 8 के खिलाड़ियों की नीलामी करेगा। पीकेएल 8 प्लेयर पूल के 500 से अधिक खिलाड़ी शामिल हैं। आयोजकों के मुताबिक प्रत्येक फ्रेंचाइजी के लिए वेतन पर्स 4.4

डिफेंडर्स और रेडर्स के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी के लिए आधार मूल्य श्रेणी 30 लाख रुपये से 6 लाख रुपये है। सीजन 8 के लिए अपने दस्ते के लिए प्रत्येक फ्रेंचाइजी 4.4 करोड़ खर्च कर सकती है। आयोजकों ने बताया कि इस सीजन को कोरोना प्रोटोकॉल के मद्देनजर और सुरक्षित तरीके से दिसंबर से शुरू किया जाएगा। पीकेएल सीजन-7 का आयोजन 2019 में किया गया था। कोरोना महामारी के कारण लीग का आयोजन 2020 में नहीं हो सका था।

करोड़ रुपये है। सीजन 8 प्लेयर ऑक्शन में घरेलू, विदेशी और नए युवा खिलाड़ी (एनवाईपी) चार श्रेणियों में विभाजित होंगे: श्रेणी ए, बी, सी और डी। प्रत्येक श्रेणी के भीतर, खिलाड़ियों को आगे अंतराल, उम्र, दिसंबर से शुरू किया जाएगा।

रूट बने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

नॉटिंगम। (एजेंसी)

भारत और इंग्लैंड के बीच ट्वेंटी ट्वेंटी क्रिकेट में लड़खड़ाई भारतीय पारी, कप्तान विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे सस्ते में लौटे पवेलियन



नॉटिंगम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खबर लिखे जाने तक इंग्लैंड की पहली पारी के 183 रनों के जवाब में भारत ने 4 विकेट खोकर 100 से ज्यादा रन बना लिए हैं। केएल राहुल और ऋषभ पंत को जोड़ी इस समय क्रीज पर मौजूद हैं। जेम्स एंडरसन ने भारत को दो बड़े झटके दिए और पजारा और कप्तान विराट कोहली को सस्ते में पवेलियन भेजा। वहीं, अजिंक्य रहाणे महज 5 रन बनाकर रनआउट हुए।

नॉटिंगम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खबर लिखे जाने तक इंग्लैंड की पहली पारी के 183 रनों के जवाब में भारत ने 4 विकेट खोकर 100 से ज्यादा रन बना लिए हैं। केएल राहुल और ऋषभ पंत को जोड़ी इस समय क्रीज पर मौजूद हैं। जेम्स एंडरसन ने भारत को दो बड़े झटके दिए और पजारा और कप्तान विराट कोहली को सस्ते में पवेलियन भेजा। वहीं, अजिंक्य रहाणे महज 5 रन बनाकर रनआउट हुए।

घड़ियाली आंसू बहाती रही कांग्रेस, असली कार्य भाजपा ने किया: रूपाणी

अहमदाबाद । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि कांग्रेस कई वर्षों से किसानों के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही थी, जबकि किसानों के कल्याण के लिए असली काम गुजरात और केंद्र में भाजपा सरकारों ने किया। रूपाणी ने कच्छ जिले के भुज नगर में एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि गुजरात में कांग्रेस के शासन के दौरान प्रदर्शन करने वाले किसानों पर गोलियां चलायीं गयीं जिससे मौतें भी हुईं।

रूपाणी मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांच साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय समारोह के तहत राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'किसान सम्मान दिवस' के अवसर पर बोल रहे थे।



हकीकत जानते थे, इसलिए हाल के पंचायत चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो गया। फसल बीमा का समय पर भुगतान की मांग करने वाले किसानों पर आपके (कांग्रेस के) शासन में गोली चलायी गयी। 'उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस हमेशा कृषि ऋण माफी की बात करती है, वहीं संग्राम शासन के

वास्तव में उनके शासन में किसान भारी कर्ज के बोझ तले दबे हुए थे और आत्महत्या करने को मजबूर थे

किसानों को सिर्फ पांच वर्ष में ८,००,००० करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। 'गुजरात की पिछली कांग्रेस सरकारों का जिम्मा करते हुए रूपाणी ने कहा कि किसान कृषि ऋण पर १८ प्रतिशत व्याज देते थे, जिसे अब राज्य में भाजपा सरकार ने शून्य कर दिया है।

रूपाणी ने कहा, 'चूंकि निजी बीमा कंपनियों समय पर बीमा राशि का भुगतान नहीं कर रही थीं, मेरी सरकार ने फसल बीमा के विकल्प के रूप में 'किसान कल्याण योजना' शुरू की और अब तक ९,००० करोड़ रुपये वितरित किये हैं। कुछ वर्षों से कोयले की कीमतों में क्रमिक

त्यौहारों में कोरोना की गाइडलाइन जारी किया जाएगा

गांधीनगर । आगामी ९ अगस्त से पवित्र सावन महीना का प्रारंभ हो रहा है। इसके साथ ही कई त्यौहारों की शुरुआत होगी। गुजरात में लोग धूमधाम से और भक्तिभाव पूर्वक त्यौहारों को मनाते हैं। हालांकि, अभी भी कोरोना का संकट नहीं टला है। इसी वजह से प्रत्येक को सतर्कता रखने की जरूरत है। गुजरात सरकार ने भी सावन महीना शुरू होने पर त्यौहारों के लिए विशेष गाइडलाइन निश्चित करने का निर्णय लिया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने इस मामले में अपने निवेदन में बताया है कि, कोरोना का संकट अभी नहीं टला है, लेकिन कोरोना की प्रत्येक



की वजह से स्थिति नहीं बिगड़े। इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। छूट जरूर दी गई है, लेकिन जरूरत होगी तो त्यौहारों के दौरान सख्ती से गाइडलाइन का पालन कराया जाएगा। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने किसानों को राहत देने की बात की। नीतिन पटेल ने बताया है कि, खेड़ा और आणंद जिले को धान की फसल के लिए पानी देने के मामले में विचार किया जा रहा है। सिंचाई का पानी देने के मामले में शाम तक में निर्णय लिया जाएगा। नियम के अनुसार पीने का पानी स्टोक में रखना जरूरी है। नर्मदा के अलावा सभी बांध में स्टोरेज रखा गया है।

३२ गांवों को सिंचाई का पानी देने के लिए प्रशासन का प्लान तैयार

अहमदाबाद जिले के आसपास के गांवों में इसमें विशेष करके नलकांठा के गांवों में सिंचाई के पानी की बड़ी समस्या थी

अहमदाबाद । अहमदाबाद जिले के आसपास के गांवों में इसमें विशेष करके नलकांठा के गांवों में सिंचाई के पानी की बड़ी समस्या थी। लंबे समय से यह क्षेत्र के लोग सिंचाई के लिए पानी की मांग कर रहे थे। लोगों की यह समस्या का अब निराकरण आने के करीब है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कई बार पेशकश की गई थी। स्थानीय निवासियों की पेशकश को ध्यान में लेकर सरकार ने यह क्षेत्र के लोगों को सिंचाई का पानी देने की व्यवस्था करने के लिए प्राथमिक प्लान तैयार कर लिया है। नलकांठा के गांव होने से सभी गांवों को खेती के अलावा कोई विकल्प नहीं

किसान सूर्योदय योजना से किसानों को दिन में बिजली और रात में चैन की नींद मिलेगी



अहमदाबाद । उप मुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने आज अहमदाबाद के देवोत्र में 'किसान सम्मान दिवस' के मौके पर 'किसान सूर्योदय योजना' का प्रारंभ कराते हुए कहा कि इस योजना से किसानों को दिन में बिजली और रात में चैन की मिलेगी। सौर

दशकों से जिस समस्या ने किसानों को परेशान कर रखा था, उसका समाधान करते हुए राज्य सरकार ने किसान सूर्योदय योजना शुरू कर किसानों के हित में अपनी कटिबद्धता का उत्तम उदाहरण पेश किया है। पहले सरकार के समय में सिंचाई के लिए किसानों को रतजाग करना पड़ता था, जो जोखिमभरा था। मौजूदा सरकार ने 8 से 9 हजार करोड़ का खर्च मंजूर कर जोईवी के सहयोग से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का चरणबद्ध आयोजन किया है। जिसके जरिए अहमदाबाद में भी किसान सूर्योदय योजना का प्रारंभ किया गया है। रात के अलावा दिन के दौरान खेती के लिए हाईवाल्ड के बिजली उपलब्ध कराने के लिए फीडर बदलने की जरूरत होगी,

अजय कभी भी स्वीटी को नहीं अपनाने वाला था

वडोदरा । कर्जग की प्रयोशा सोसाइटी में पत्नी स्वीटी का गला दबाकर हत्या करने वाला पति अजय देसाई के खिलाफ परिवार के सदस्यों में ही नाराजगी देखने को मिल रही है। स्वीटी के पहले पति द्वारा हुए बेटे ने रिश्मन ने दो दिन पहले मेरा मासूम भाई अंश क्या है वह इस मामले में एक इमोशनल पोस्ट जस्टिस फॉर माय मोम के पेज पर शेयर की थी और अब स्टेट्समेंट फ्रेम माय पॉइंट्स की ओर एक पोस्ट फेसबुक पेज पर रखी है। स्वीटी पटेल की पहली शादी हेतस पंड्या के साथ हुआ था और उनके द्वारा दो बेटों का जन्म हुआ था। कुछ वर्षों के बाद दोनों का तलाक होने पर हेतस पंड्या दोनों बेटों को लेकर

में शादी करते हैं लेकिन कोर्ट में रजिस्टर नहीं करता। मतलब कि मां स्वीटी के संपर्क में रहता था। अपनाने का सामाजिक दर्जा नहीं देना था। २ वर्ष के छोटे मासूम बच्चे की बगल में सो रही मां को मार दिया। हालांकि गुस्से में आकर किया हो, गुस्से में हो गया तो, अपनी भूल पर पश्चाताप करें, पुलिस में सामने से पेश होकर कब्रलात करे। पकड़ा गया बिना लाश का निराकरण किस तरीके से किया जाए इसका आयोजन पिछले २-३ महीने से नहीं करे। ऐसी मानसिकता वाले और बाहर से आसपास के लोगों को अच्छे दिखाई देते ऐसे लोग समाज के लिए क्रिमिनल्स से भी ज्यादा खतरनाक है।

राजस्थानी प्रेमी के साथ फरार हुई युवती दिल्ली से पकड़ी गई

सूरत । फिल्मि स्टोरी की भी टकरा मारे ऐसा प्लान बनाकर अपने राजस्थानी प्रेमी के साथ फरार हुई सूरत की युवती को पुलिस ने प्रेमी को साथ दिल्ली से पकड़ लिया है। पुलिस को इस युवती ने बताया कि वह खुद नहीं पकड़ी जाए इसके लिए १२ सिमकार्ड खरीदे थे। एक बार बात करने के बाद सिम कार्ड को तोड़कर फेंक देती थीं। वह और इसका प्रेमी घर से भाग गये तब से किसी स्थल पर १२ घंटे से ज्यादा समय तक नहीं रुकते थे। इसके अलावा भी युवती ने दूसरे भी कई चौकाने वाले खुलासे किए थे। सीए की क्लास करती और सूरत के वराछ क्षेत्र में रहती रिडि पिता ने इसे फोन किया था। (नाम बदला है) को मूल राज

स्थान के आकाश खटीक के साथ प्रेम हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम के द्वारा हुई थी। हालांकि, परिजनों ने प्रेमी को मंजूर करने से इनकार कर देने पर रिडि ने आकाश के साथ फरार होने जाने का प्लान बनाया था। पुलिस से किस तरीके से बच सके इसके लिए उसने यूट्यूब पर विडियो भी देखा था, घर से निकलने से पहले अपना फोन फॉर्मेट मारकर वहां पर ही छोड़ दिया था। २९ जुलाई को रिडि शाम को बुक लेने जाती हूँ यह कहकर घर से निकली थी। हालांकि, कई देर तक वह वापस नहीं आने पर इसके पिता ने इसे फोन किया था। लेकिन फोन घर से ही मिल

फ्लिपकार्ट हजारों स्थानीय विक्रेताओं और बढ़ती ई-कॉमर्स मांग को पूरा करने के लिए गुजरात में अपने गोदाम नेटवर्क का विस्तार करेगा

अहमदाबाद । भारत के श्रेष्ठ बाजार फ्लिपकार्ट ने आज गुजरात में 4 नई आपूर्ति शृंखला सुविधाओं के शुभारंभ के साथ अपनी आपूर्ति शृंखला के विस्तार की घोषणा की, जो राज्य में स्थानीय विक्रेताओं का समर्थन करेगी और ई-कॉमर्स की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। गुजरात में आपूर्ति शृंखला का विस्तार रज्यों और आसपास के प्रांतों में तेज और निर्बाध ग्राहकों की सेवा करने के लिए फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है और एमएसएमई और अन्य स्थानीय विक्रेताओं के लिए बाजार पहुंच को सक्षम करके इसके आर्थिक विकास में योगदान देगा।

अहमदाबाद और सूरत में स्थित नई सुविधा लगभग 5 लाख वर्ग फुट के पूरे क्षेत्र में एकीकृत है, जिससे राज्य में 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी। यह गुजरात में राज्य के लगभग 35,000 स्थानीय विक्रेताओं को मजबूत करेगा ताकि वे राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच प्राप्त कर सकें और ग्राहकों को व्यापक विकल्प और तेजी से वितरण को पेशकश कर सकें।



शृंखला के विस्तार को देखकर खुश है, हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करता है और हजारों एमएसएमई, स्थानीय लोगों के लिए नए अवसर खोलता है। व्यापारियों और कलाकारों। गुजरात सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें ई-कॉमर्स-सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण शामिल है, जो इस क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए फ्लिपकार्ट जैसे उद्योग के नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहा है।